testbook

सर्वश्रेष्ठ 3000+
टॉपिक वाइज सभी प्रश्नों
की विस्तृत व्याख्या

नवीनतम पैटर्न पर आधारित

रेलवे

सामान्य जागरूकता

निम्नलिखित परीक्षाओं की लिए उपयोगी

RRB ALP/Technician, RRB NTPC, RRB Group D, RRB JE, और अन्य सभी रेलवे परीक्षाओं के लिए उपयोगी

प्रमुख विशेषताएँ

- समिल्लित विषय
  प्राचीन इतिहास, मध्यकालीन इतिहास, आधुनिक इतिहास भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, स्टेटिक GK, कंप्यूटर
- **बेहतर वैचारिक समझ के लिए सरलीकृत भाषा**

TESTBOOK ERROR FREE TESTBOOK

नवीनतम पाठ्यक्रम का व्यापक कवरेज

अध्यायवार: PYQS और MCQS

विगत वर्षों के प्रश्न (2016 और उसके बाद से)

विषय सूची

		प्रष्ठ क्र.
1.	**प्राचीन इतिहास**	1-16
	पाषाण युग एवं सिंधु घाटी सभ्यता	
	वैदिक युग एवं महाजनपदों का उदय	
	बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म	
	मौर्य एवं मौर्योत्तर साम्राज्य	
	गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल	
	संगम काल	
2.	**मध्यकालीन इतिहास**	17-32
	दिल्ली सल्तनत	
	मुगल साम्राज्य एवं परवर्ती मुगल	
	दक्षिणी राजवंश	
	मराठा, क्षेत्रीय साम्राज्य एवं धार्मिक आंदोलन	
	ईस्ट इंडिया कंपनी का उदय एवं ब्रिटिश प्रशासन	
	ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के अधीन भारत	
3.	**आधुनिक इतिहास**	33-56
	सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन	
	1857 की क्रांति	
	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं कांग्रेस अधिवेशन	
	राष्ट्रीय आंदोलन (1885 - 1919	
	राष्ट्रीय आंदोलन (1919 - 1939	
	स्वतंत्रता से विभाजन तक (1939-1947	
	गवर्नर जनरल एवं वायसराय	
	अन्य आयाम	
	स्वतंत्रता के बाद की घटनाएँ	
4.	**विश्व का भूगोल**	57-68
	सौरमंडल	
	भू-आकृति विज्ञान	
	जलवायु विज्ञान एवं जैव भूगोल	
	समुद्र विज्ञान	
	विश्व के महत्वपूर्ण स्थान	
5.	**भारत का भूगोल**	69-93
	भारत का भौगोलिक विभाजन एवं स्थिति	
	भारतीय नदियाँ एवं जल संसाधन	
	भारतीय जलवायु	
	मृदा वितरण	
	भारत में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें	
	खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	
	परिवहन एवं संचार	
	जनसांख्यिकी एवं जनगणना संबंधी आँकड़ें	

testbook

6. **राजव्यवस्था** **94-130**

संविधान की मूल बातें..

मौलिक अधिकार..

मौलिक कर्तव्य..

महत्वपूर्ण अनुच्छेद..

महत्वपूर्ण भाग एवं अनुसूचियाँ..

महत्वपूर्ण अधिनियम..

महत्वपूर्ण संशोधन..

केंद्र सरकार..

राज्य सरकार..

न्यायपालिका..

स्थानीय सरकार..

संवैधानिक एवं गैर संवैधानिक निकाय..

7. **अर्थव्यवस्था** **131-148**

राष्ट्रीय आय लेखांकन..

मुद्रा एवं बैंकिंग..

कृषि..

औद्योगिक क्षेत्र..

पंचवर्षीय योजनाएँ..

सरकारी उपक्रम..

8. **कला एवं संस्कृति** **149-171**

वास्तुकला..

चित्रकला, भाषा एवं साहित्य..

संगीत..

नृत्य..

मेले एवं त्यौहार..

9. **स्टेटिक जी.के** **172-207**

पुरस्कार एवं सम्मान..

पुस्तकें एवं लेखक..

महत्वपूर्ण संस्थान..

समितियाँ एवं अनुशंसाएं..

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी..

दिन एवं घटनाएँ..

सरकारी नीतियां एवं योजनाएँ..

प्रख्यात व्यक्ति..

प्रसिद्ध स्थान..

खेल..

testbook

10. पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण **208-216**
पारिस्थितिकी एवं पारिस्थितिक तंत्र के कार्य……
पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रदूषण एवं समस्याएँ……
राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य एवं जैव आरक्षित क्षेत्र……
11. कंप्यूटर **217-229**
कंप्यूटर की मूल बातें……
मेमोरी……
माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस……
कीबोर्ड शॉर्टकट……
संक्षिप्तीकरण……
कंप्यूटर के मूलभूत सिद्धांत एवं शब्दावली……

अध्यायवार भारांक विश्लेषण

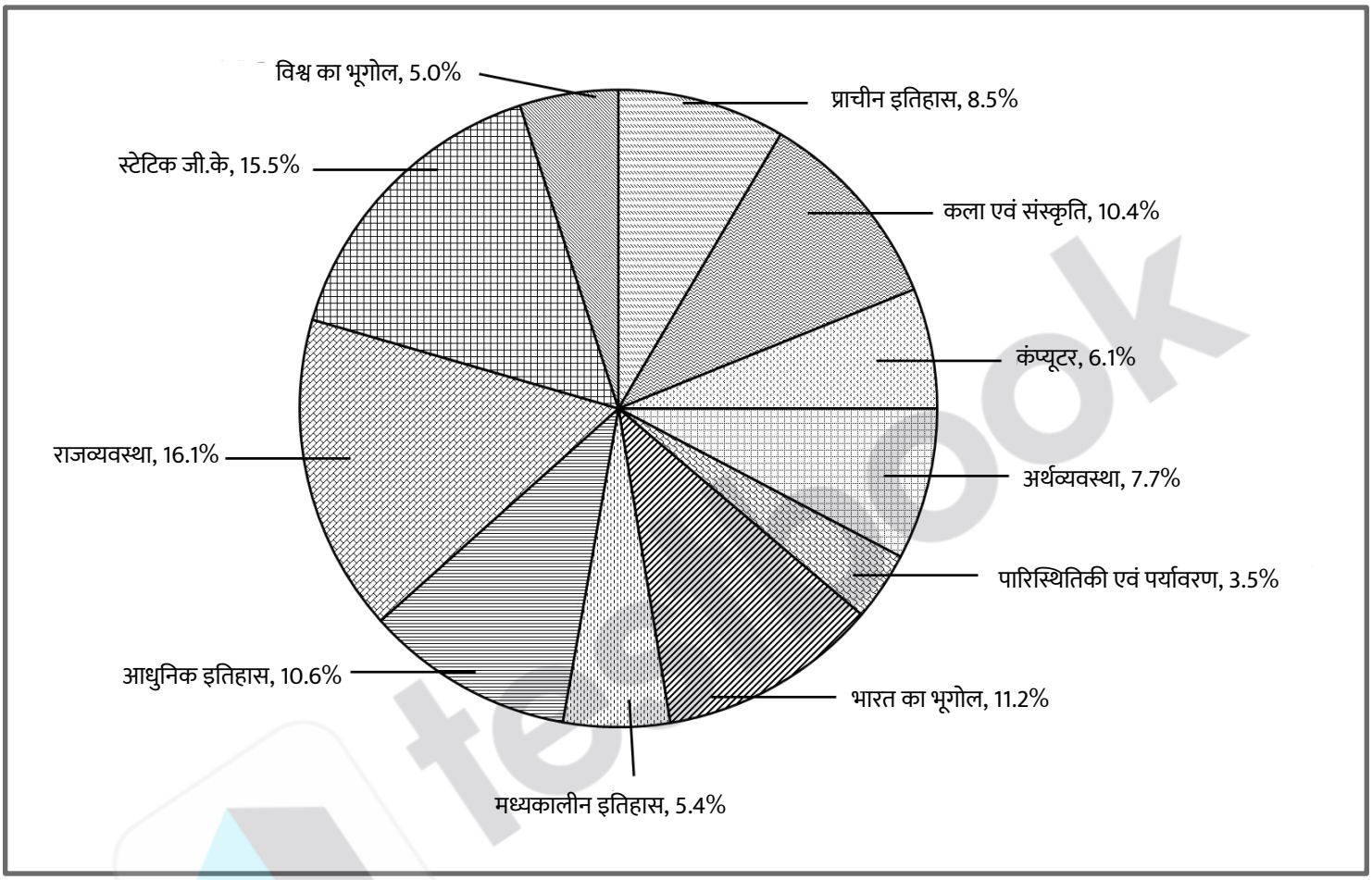

CHAPTER: 1

प्राचीन इतिहास

पाषाण युग एवं सिंधु घाटी सभ्यता

1. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता थी
A. वस्तु विनिमय प्रणाली
B. स्थानीय परिवहन प्रणाली
C. ईंटों से बनी इमारतें
D. प्रशासनिक प्रणाली
[RRB NTPC 2016]
A) A B) B
C) C D) D

2. धोलाविरा, एक पुरातात्विक स्थल, किस समयावधि से संबन्धित है?
A. गुप्त काल
B. मगध काल
C. सिंधु घाटी सभ्यता
D. चालुक्य काल
[RRB NTPC 2016]
A) B B) A
C) D D) C

3. सिंधु घाटी सभ्यता _____ से संबंधित थी। [RRB NTPC 2017]
A) कांस्य युग B) पाषाण युग
C) स्वर्ण युग D) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. हड़प्पा सभ्यता लगभग 2500 ईसा पूर्व में फली-फूली थी जिसे आज हम _____ कहते हैं। [RRB NTPC 2017]
A) पाकिस्तान और अफगानिस्तान B) पश्चिमी भारत और पाकिस्तान
C) अफगानिस्तान और पश्चिमी भारत D) भारत और चीन

5. पत्थर की बनी नृत्य करते हुए पुरुष की मूर्ति, 'नटराज' किस स्थान पर पाई गई थी? [RRB NTPC 2021]
A) रंगपुर B) लोथल
C) मोहन जोदड़ो D) हड़प्पा

6. निम्नलिखित में से कौन सा स्थल सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा नहीं है? [RRB NTPC 2021]
A) हड़प्पा B) उरुक
C) मोहनजोदड़ो D) लोथल

7. निम्नलिखित में से कौन सा पशु हड़प्पा सभ्यता की मुहरों पर अक्सर देखा जाता था? [RRB NTPC 2021]
A) लोमड़ी B) बैल
C) शेर D) हिरन

8. सिंधु घाटी सभ्यता में खोजा गया पहला स्थल है:
A) लोथल B) मोहनजोदड़ो
C) कालीबंगा D) हड़प्पा

9. हड़प्पा सभ्यता से कौन सा शहर लगभग विशेष रूप से मनका बनाने, खोल काटने, धातु के काम, मुहर बनाने और वजन बनाने सहित क्राफ्टिंग उत्पादन के लिए समर्पित था? [RRB NTPC 2021]
A) हड़प्पा B) नागेश्वर
C) मोहनजोदड़ो D) चन्हुदड़ो

10. सिंधु घाटी काल के दौरान, शिल्प उत्पादन के लिए सीपियाँ कहाँ से प्राप्त की जाती थीं? [RRB NTPC 2022]
A) शोर्तुघई B) रोपड़
C) जयपुर D) नागेश्वर

11. हड़प्पा की अधिकांश मानक मुहरें _____ से बनी थीं। वह एक प्रकार का नरम पत्थर था जो 2 × 2 आयाम के साथ चौकोर आकार का था और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता था। [RRB NTPC 2022]
A) सेलखड़ी B) सुनहरा रूटाइल
C) सेलिनाइट D) रोडोनिट

12. सिंधु घाटी सभ्यता का निम्नलिखित में से कौन सा स्थल पंजाब (भारत) में स्थित है? [RRB NTPC 2022]
A) बनावली B) बालू
C) कोट दीजी D) रोपड़

13. सिंधु घाटी सभ्यता की खोज किस वर्ष में हुई थी?
A) 1921 B) 1933
C) 1917 D) 1941

14. हड़प्पा के किस स्थल से भूकंप के सबसे पुराने साक्ष्य मिलते हैं?
A) हड़प्पा B) धौलावीरा
C) मोहनजोदड़ो D) कालीबंगा

15. पाकिस्तान का प्रचीनतम नवपाषाणयुगीन पुरास्थल मेहरगढ़ कौन-सी नदी की घाटी में है?
A) सिंधु B) रावी
C) सरस्वती D) बोलन

16. निम्नलिखित में से किस स्थल पर उत्तर-हड़प्पाई और गेरुवर्णी मृदभांड चरण के बीच अतिव्यापन का पता लगाया जा सकता है?
A) अहिच्छत्र और झिंझाना B) अतरंजीखेड़ा और नोह
C) साईपाई और अतरंजीखेड़ा D) बड़गांव और अंबाखेड़ी

17. निम्नलिखित में से किस एजेंसी ने कालीबंगन का उत्खनन कार्य किया था?
A) मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया B) राजस्थान पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग, जयपुर
C) भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली D) डेक्कन कॉलेज, पुणे

18. आहड़ का उत्खनन कार्य किसके नेतृत्व में सम्पादित हुआ था?
A) एच.डी. सांकलिया B) बी.बी. लाल
C) वी. एन. मिश्रा D) वी.एस. वाकणकर

19. हड़प्पा नगरों का निम्नलिखित में से कौन-सा भाग दुर्ग के नाम से जाना जाता था?
A) उत्तर B) पूर्व
C) पश्चिम D) दक्षिण

20. हड़प्पा का प्राचीन शहर किस नदी के किनारे बनाया गया था?
A) रावी B) सतलुज
C) कोसी D) मीरा

21. सिंधु घाटी सभ्यता का कौन-सा स्थल भारत में स्थित नहीं है?
A) कालीबंगन B) राखीगढी
C) लोथल D) मोहनजोदड़ो

22. हड़प्पा के लोगों को लाजवर्द मणि, एक नीला पत्थर कहाँ से प्राप्त हुआ था?
A) नागेश्वर B) शोर्तुघई
C) बालाकोट D) लोथल

23. किस हड़प्पा स्थल पर नहर के अवशेष मिले हैं?
A) कालीबंगन B) शोर्तुघई
C) चन्हुदड़ो D) धौलावीरा

24. निम्नलिखित में से मोहनजोदड़ो के खोजकर्ता कौन है?
A) जॉन मार्शल B) जेम्स प्रिंसेप
C) आर्चीबोल्ड कार्लाइल D) आर. डी. बनर्जी

25. हड़प्पा शहर धोलावीरा को यूनेस्को (UNESCO) की विश्व विरासत सूची में _____ भारतीय स्थल के तौर पर शामिल किया गया था।
A) 38वें B) 39वें
C) 37वें D) 40वें

26. मध्यपाषाण युग को निम्नलिखित में से किस परिवर्तन द्वारा चिह्नित किया गया है?
A) घास वाले मैदान बनना B) अर्ध शुष्क क्षेत्रों का बनना
C) अत्याधिक वनउन्मूलन D) ग्रह पर तापमान का और ठंडा होना

27. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या है?

A) पकी हुई ईंट की इमारतें
B) पहला पक्का मेहराब
C) पूजा का भवन
D) कला और वास्तुकला

वैदिक युग एवं महाजनपदों का उदय

28. "सत्यमेव जयते" का क्या अर्थ है?
A. "ट्रुथ अलोन ट्राइंफ"
B. "ट्रू फेथ इज रेयर"
C. "ट्रुथ इस ट्रिविन"
D. "ट्रुथ इज ट्रेजर"
[RRB NTPC 2016]
A) C
B) B
C) A
D) D

29. निम्नलिखित में से किस वेद में रोगों का उपचार दिया है?
A) यजुर्वेद
B) ऋग्वेद
C) सामवेद
D) अथर्ववेद

30. 'यजुर्वेद' में 'यजुर' शब्द का क्या अर्थ क्या है? [RRB NTPC 2017]
A) जीवन
B) प्रकृति
C) बलिदान
D) सत्य

31. यजुर्वेद का उपवेद धनुर्वेद है। इसका सम्बन्ध है: [RRB NTPC 2021]
A) युद्ध की कला
B) वास्तुकला
C) चिकित्सा
D) कला और संगीत

32. ऋग्वेद में 1028 सूक्त हैं, जिन्हें दस पुस्तकों में व्यवस्थित किया गया है जिन्हें _____ कहा जाता है। [RRB NTPC 2022]
A) मंडल
B) पादपस्थ
C) अनुदत्त
D) सूक्त

33. निम्नलिखित में से किस वेद को "गीतों की पुस्तक", "मंत्रों का वेद" या "गीतों का योग" भी कहा जाता है? [RRB Group D 2022]
A) यजुर्वेद
B) ऋग्वेद
C) अथर्वेद
D) सामवेद

34. इनमें से कौन सा वेद संगीत के बारे में उल्लेख करता है?
A) अथर्ववेद
B) ऋग्वेद
C) यजुर्वेद
D) सामवेद

35. निम्नलिखित में से कौन सा वेद जादुई अनुष्ठानों और तंत्र मंत्र के बारे में बताता है?
A) सामवेद
B) यजुर्वेद
C) अथर्ववेद
D) ऋग्वेद

36. इनमें से कौन एक वेद नहीं है? [RRB Group D 2018]
A) अथर्ववेद
B) ऋग्वेद
C) यजुर्वेद
D) सोम वेद

37. _____ उपनिषदों में से _____ उपनिषद मुख्य माने जाते हैं। [RRB Group D 2018]
A) 108, 11
B) 116, 22
C) 100, 12
D) 99, 10

38. ऋग्वेद की रचना की सबसे स्वीकार्य दिनांक कौन-सी मानी जाती है?
A) 1000 ईसा पूर्व
B) 1500 ईसा पूर्व
C) 1500 ईसा पूर्व से 1000 ईसा पूर्व
D) लगभग 4500 ईसा पूर्व

39. 6 वीं शताब्दी ई.पू. के दौरान भारत में धार्मिक आंदोलनों का मूल कारण क्या था?
A) वैदिक प्रथाओं के कारण बड़े पैमाने पर मवेशियों का बलिदान।
B) पूर्वी भारत में नई कृषि अर्थव्यवस्था का विस्तार।
C) ब्राह्मणों और क्षत्रिय के बीच सामाजिक संघर्ष।
D) शहरी क्रांति और आंतरिक और बाहरी व्यापार में वृद्धि।

40. माहिष्मति शहर किस महाजनपद में स्थित था?
A) वत्स
B) मत्स्य
C) अवंती
D) अश्मक

41. निम्नलिखित कौन सा महाजनपद गोदावरी नदी के तट पर स्थित था?
A) कम्बोज
B) वत्स
C) अवंती
D) अश्मक

42. कौन सा महाजनपद 8 गणतांत्रिक कुलों का संघ था?
A) वज्जि
B) वत्स
C) मगध
D) मल्ल

43. वैदिक काल में चिनाब नदी को किस नाम से जाना जाता था?
A) परुष्णी
B) शतुद्री
C) वितस्ता
D) अस्किनी

44. पश्चिम से पूर्व की ओर महाजनपदों का सही क्रम क्या है?
A) अवंति, वत्स, चेदि, अंग, मगध
B) चेदि, वत्स, अवंति, मगध, अंग
C) अवंति, चेदि, वत्स, मगध, अंग
D) वत्स, अवंति, अंग, चेदि, मगध

45. स्मृति साहित्य के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?
A) मनुस्मृति का संकलन 200 ईसा पूर्व और 200 शताब्दी ई के बीच किया गया था।
B) माता-पिता की मृत्यु के बाद पैतृक संपत्ति को बेटों के बीच समान रूप से विभाजित किया जाना था, जिसमें सबसे बड़े के लिए एक विशेष हिस्सा था।
C) साथ ही, मनुस्मृति ने महिलाओं को पति की अनुमति के बिना पारिवारिक संपत्ति, या यहां तक कि अपने स्वयं के कीमती सामानों की जमाखोरी के खिलाफ चेतावनी दी।
D) धर्मसूत्र और धर्मशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों में स्वामित्व के मुद्दों की बात नहीं की गई है।

46. ऋगवेद में उल्लिखित 'मृधार-वाच' का निम्नलिखित में से किस की ओर संकेत है?
A) वह जो बलि देता है
B) वह जो बलि नहीं देता है
C) वह जो प्रकृति की पूजा करता है
D) वह जो पत्थर की पूजा करता है

47. वैदिक काल में राजाओ द्वारा प्रजा से एकत्रित कर को क्या कहा जाता था?
A) कारा
B) वर्मन
C) बलि
D) विदथ

48. निम्नलिखित में से किस नदी का नाम ऋग्वेद में केवल एक बार दिया गया है?
A) गंगा
B) सिंधु
C) सरस्वती
D) झेलम

49. तक्षशिला किस प्राचीन महाजनपद की राजधानी थी?
A) अंग
B) काशी
C) मगध
D) गांधार

50. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
A) सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद है, जिसकी रचना लगभग 3500 वर्ष पूर्व हुई।
B) 'मातृ' एक संस्कृत शब्द है।
C) ऋग्वेद को पाठ करने और सुनने के बजाय पढ़ा जाता था।
D) ऋग्वेद के कुछ मंत्र संवाद के रूप में हैं।

51. वैदिक साहित्य में, देवता इंद्र, जिन्हें अक्सर पुरंदर कहा जाता है। "पुरंदर" शब्द का क्या अर्थ है?
A) ब्रह्मांड के निर्माता
B) बारिश लाने वाला
C) समय का नियंत्रक
D) किलों का विध्वंसक

52. उपनिषद में निम्नलिखित में से किस महिला विद्वान का उल्लेख किया गया है?
A) कुमार देवी
B) गौतमी बालाश्री
C) गार्गी
D) इनमे से कोई भी नहीं

53. सोलह महाजनपदों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन एक राजधानी शहर नहीं था? [RRB NTPC 2022]
A) उज्जैन
B) अवंति
C) श्रावस्ती
D) कौशाम्बी

54. उदयिन ने मगध की राजधानी को _____ से पाटलिपुत्र स्थानांतरित कर दिया। [RRB NTPC 2021]
A) सारनाथ
B) राजगृह
C) कौशाम्बी
D) तक्षशिला

55. मगध शासक बिम्बिसार का चिकित्सक कौन था?
A) विजयसेन
B) जीवक
C) मनु
D) शीलभद्र

बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म

56. संस्कृत में "महायान" का क्या अर्थ है?
A) छोटा वाहन
B) महान वाहन
C) तीर्व पथ
D) महान बलिदान

57. बौद्ध परंपराओं के अनुसार, बुद्ध के सारथी कौन थे?
A) चन्ना
B) कंथक
C) देवदत्त
D) चुंडा हिडे

58. निम्नलिखित में से किस बौद्ध स्थल पर महिलाओं को पहली बार संघ में नियुक्त किया गया था ?
A) सारनाथ
B) वैशाली
C) श्रावस्ती
D) राजगीर

59. महावीर के उपदेश _____ में संकलित किए गए थे, जिन्हें अंग कहा जाता था। वे प्राकृत भाषा में लिखे गए थे।
A) 13 खंड
B) 14 खंड
C) 15 खंड
D) 12 खंड

60. महावीर स्वामी को "जिन" के नाम से जाना जाने लगा, "जिन" का क्या अर्थ है ?
A) विजेता
B) महान आत्मा
C) भगवान
D) अहिंसक

61. निम्नलिखित में से कौन गौतम बुद्ध के समकालीन थे?
A) नागार्जुन
B) कनिष्क
C) कौटिल्य
D) महावीर

62. केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान कहां स्थित है?
A) लेह
B) कुल्लू
C) अल्मोड़ा
D) गंगटोक

63. निम्नलिखित में से किस स्थान पर 'धम्मचक्कपवत्तन' नामक बौद्ध कार्यक्रम हुआ था?
A) लुम्बिनी
B) कुशीनगर
C) बोध गया
D) सारनाथ

64. जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण मौलिक सिद्धांत क्या माना जाता है?
A) कर्म
B) अहिंसा
C) निष्पक्षता
D) उपरोक्त में से एक से अधिक

65. जैन मतानुसार शिक्षा का अन्तिम लक्ष्य है
A) परोपकार
B) दया और त्याग
C) मुक्ति
D) अहिंसा

66. बौद्ध स्तूप में 'हार्मिका' क्या प्रदर्शित करती है?
A) देवताओं का निवास
B) खुला चल मार्ग
C) धर्मनिरपेक्ष दुनिया से पवित्र स्थान को अलग करना
D) तथागत के अवशेष

67. स्तूप की संरचना में 'प्रदक्षिणा-पथ' क्या है?
A) वृत्ताकार पथ
B) बालकनी जैसी संरचना
C) समृद्ध नक्काशीदार प्रवेश द्वार
D) अर्धवृत्ताकार टीला

68. एक अद्वितीय बौद्ध ग्रन्थ के लेखक कौन हैं, जो सुत्त पिटक का एक खंड है और छंदों का संकलन है जो महिलाओं के सामाजिक और आध्यात्मिक अनुभवों पर प्रकाश डालता है?
A) ब्रह्म
B) भिक्खुनी
C) वरुणदाता
D) देवता

69. बुद्ध एक छोटे गण से सम्बन्धित थे जिसे _____ के नाम से जाना जाता था।
A) शाक्य गण
B) अवंती गण
C) कुरु गण
D) पांचाल गण

70. बुद्ध का वर्णन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा शब्द सबसे उपयुक्त है?
A) आस्तिक
B) नास्तिक
C) अज्ञेयवादी
D) भौतिकवादी

71. उपासकदशः किस धर्म से संबंधित ग्रन्थ है?
A) शैव धर्म से
B) वैष्णव धर्म से
C) जैन धर्म से
D) बुद्ध धर्म से

72. प्राचीन भारत में निम्नलिखित में से किन्हें 'थेरी' के रूप में जाना जाता था ?
A) श्रद्धेय महिलाएँ (सम्मानित महिलाएँ)
B) बौद्धधर्म में वरिष्ठ साध्वी (elder nuns)
C) भिक्षुणी पद (status) से वंचित महिलाएँ
D) बौद्ध संघ से निष्कासित महिलाएँ

73. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान तथागत भगवान गौतम बुद्ध के जीवन की चित्रकारी के लिए विश्व प्रसिद्ध है?
A) वेरुल गुफाएँ
B) अजंता की गुफाएँ
C) एलिफेंटा गुफाएँ
D) औरंगाबाद की गुफाएँ

74. निम्नलिखित में से किस जैन तीर्थंकर ने मंदार पहाड़ी पर निर्वाण प्राप्त किया था?
A) वसुपूज्य
B) महावीर
C) पार्श्वनाथ
D) ऋषभनाथ

75. किस मौर्य शासक ने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार का नेतृत्व किया?
A) सम्प्रति
B) देववर्मन
C) अशोक
D) बिंदुसार

76. _____ वर्ष की आयु में, महावीर ने गृह त्याग दिया और आत्मज्ञान की तलाश में वन में रहने चले गए।
A) बत्तीस
B) तीस
C) अट्ठाईस
D) उनतीस

77. महावीर स्वामी का जन्म कहाँ हुआ था?
A) कुण्डग्राम
B) कपिलवस्तु
C) नालन्दा
D) पाटलिपुत्र

78. महात्मा बुद्ध के बचपन का नाम क्या था?
A) विनय
B) राहुल
C) सिद्धार्थ
D) गौतम

79. किस धर्म के अनुसार, निर्वाण या मोक्ष निम्न पर निर्भर करता है: 1. सम्यक् दृष्टि, 2. सम्यक् ज्ञान और 3. सम्यक् आचरण?
A) शैव
B) बौद्ध धर्म
C) जैन धर्म
D) हिंदू धर्म

80. जुआन ज़ैंग और अन्य तीर्थयात्रियों ने निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य में स्थित सबसे प्रसिद्ध बौद्ध मठ नालंदा में अध्ययन करने में समय बिताया था?
A) ओडिशा
B) बंगाल
C) बिहार
D) सिक्किम

81. 'आलार कलाम ' किसके पहले गुरु थे?
A) गौतम बुद्ध
B) महावीर
C) ऋषभनाथ
D) पार्श्वनाथ

82. "रणकपुर" मन्दिर मूलतः है-
A) बौद्ध
B) जैन
C) शिव
D) विष्णु

83. हिंदू कैलेंडर के अनुसार, बुद्ध पूर्णिमा _____ पूर्णिमा के दिन आती है। [RRB Group D 2022]
A) चैत्र
B) आषाढ़
C) वैशाख
D) माघ

84. कंग्युर और तेंग्युर क्या हैं?
A) बौद्ध साहित्य
B) जैन आगम
C) पौराणिक ऐतिहासिक ग्रंथ
D) प्राचीन चीन के मौखिक इतिहास का संग्रह

85. निम्नलिखित में से कौन प्रारंभिक मध्यकाल में जैन धर्म का केंद्र नहीं था?
A) एलोरा
B) नागपट्टनम
C) दिलवाड़ा
D) श्रवणबेलगोला

86. निम्नलिखित में से किस राजा ने कश्मीर में चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन किया? [RRB NTPC 2021]
A) चंद्रगुप्त मौर्य
B) बिंबिसार
C) कनिष्क
D) अजातशत्रु

87. उस बौद्ध ग्रंथ का नाम बताइए जिसमें भिक्षुओं के लिए नियम शामिल हैं। [RRB NTPC 2021]

A) त्रिपिटक
B) विनय पिटक
C) सुत्त पिटक
D) अभिधम्म पिटक

88. जातक कथाएँ _____ से संबंधित हैं। [RRB NTPC 2020]
A) बौद्ध धर्म
B) सिख धर्म
C) हिन्दू धर्म
D) जैन धर्म

89. भगवान महावीर का मूल नाम क्या है? [RRB NTPC 2020]
A) आनंद
B) सिद्धार्थ
C) सारिपुत्त
D) वर्धमान

90. बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को दिया , जिसे _____ कहा जाता है। [RRB NTPC 2022]
A) निरंजना
B) महाभिनिष्क्रमण
C) महा परिनिर्वाण
D) धर्मचक्र प्रवर्तन

91. द्वितीय बौद्ध संगीति (second buddhists council) _____ द्वारा वैशाली में आयोजित की गई थी। [RRB NTPC 2022]
A) मुण्डा
B) अनुरुद्ध
C) सुनिधा
D) कालाशोक

92. 19वीं शताब्दी में निर्मित अजमेर का सोनीजी की नसियाँ मंदिर _____ को समर्पित है। [RRB NTPC 2022]
A) भगवान अजितनाथ
B) भगवान ऋषभदेव
C) भगवान महावीर
D) भगवान चंद्रप्रभ

93. तीन पिटकों में से, अभिधम्म पिटक संबंधित है: [RRB NTPC 2022]
A) सारनाथ स्तंभ पर कहानियां
B) दार्शनिक मामले
C) संघ में शामिल होने वालों के लिए नियम
D) बुद्ध की शिक्षा

94. बौद्ध धर्म की नींव ____ आर्य सत्य और _____ आंगिक मार्ग हैं। [RRB Group D 2018]
A) छह, चार
B) आठ, छह
C) दो, आठ
D) चार, आठ

95. बौद्ध धर्म में "त्रिरत्न" का क्या अर्थ है?
A) त्रिपिटक
B) बुद्ध, धम्म (धर्म), संघ
C) सत्य, अहिंसा, करुणा
D) शील, समाधि, संघ

96. रानी मायादेवी ने किस पेड़ के नीचे गौतम बुद्ध को जन्म दिया था? [RRB Group D 2018]
A) अशोक के पेड़
B) पीपल के पेड़
C) आम के पेड़
D) साल के पेड़

97. जैन धर्म और बुद्ध धर्म के उदय में भारत में ईसापूर्व _____ शताब्दी में धार्मिक अशांति देखी गई थी। [RRB Group D 2018]
A) पाँचवीं
B) चौथी
C) छठी
D) सातवीं

98. निम्नलिखित में से कौन सा भगवान बुद्ध के चार आर्य सत्यों में नहीं है? [RRB Group D 2018]
A) संसार दुखों का घर है
B) दुख का कारण इच्छा है
C) यदि इच्छाओं की पूर्ति नहीं होती है तो दुखों से बचा जा सकता है
D) यह अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण करके किया जा सकता है

99. त्रिपिटक किस धर्म का पवित्र ग्रंथ है - [RRB Group D 2022]
A) बुद्ध धर्म
B) पारसी धर्म
C) जैन धर्म
D) सिख धर्म

100. बौद्ध धर्म की आधार स्तम्भों में से एक अष्टांगिक मार्ग है। निम्नलिखित में से कौन सा अष्टांगिक मार्ग नहीं है?
A) सम्यक वाणी
B) सम्यक नियंत्रण
C) सम्यक प्रयास
D) सम्यक विचार

101. प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ और और अंतिम तीर्थंकर महावीर के प्रतीक क्रमशः _____ और _____ थे।
A) वृषभ और हाथी
B) सिंह और सर्प
C) चंद्रमा और मछली
D) वृषभ और सिंह

102. चंद्रगुप्त मौर्य के शासन के करीब, दक्षिण बिहार में एक भयानक अकाल पड़ा था। _____ और उनके शिष्य कर्नाटक में श्रवणबेलगोला चले गए थे।
A) जम्बू
B) स्थूलभद्र
C) भद्रबाहु
D) इंद्रभूति

103. निम्नलिखित में से कौन सा बौद्ध साहित्य ग्रंथ नहीं है?
A) मिलिंद पन्हो
B) अभिधर्ममोक्ष
C) उवसग्गहरं स्तोत्र
D) महावम्सा

104. जैन धर्म के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है/हैं?
1. 'जैन' शब्द की उत्पत्ति 'जिन' शब्द से हुई है, जिसका अर्थ विजेता है।
2. वर्धमान महावीर जैनियों के पहले तीर्थंकर थे।
A) केवल 1
B) केवल 2
C) 1 और 2 दोनों
D) न तो 1 और न ही 2

105. निम्नलिखित में से किससे महाकाव्य 'जीवक चिंतामणि' संबंधित है?
A) जैन धर्म
B) हिन्दू धर्म
C) बौद्ध धर्म
D) सिख धर्म

106. बौद्ध पाठ्य विसुद्धिमग्ग किसके द्वारा लिखा गया था?
A) नागसेन
B) बुद्धघोष
C) नागार्जुन
D) अश्वघोष

107. बौद्ध पाठ 'मिलिंद पन्ह' में किस व्यक्तित्व का उल्लेख किया गया है?
A) नागसेन
B) कालीदास
C) चाणक्य
D) हेमचंद्र

108. द्वितीय बौद्ध संगीति किसके शासनकाल के दौरान आयोजित की गई थी?
A) अजातशत्रु
B) अशोक
C) कालाशोक
D) कनिष्क

109. निम्नलिखित में से किस जैन तीर्थंकर ने मंदार पहाड़ी पर निर्वाण प्राप्त किया था?
A) 9वें तीर्थंकर
B) 12वें तीर्थंकर
C) 13वें तीर्थंकर
D) 15वें तीर्थंकर

110. वर्धमान महावीर के संबंध में क्या सही नहीं है?
A) उन्हें 24वाँ और अन्तिम तीर्थंकर माना जाता है
B) उनकी माता लिक्षवी के राजा चेतक की बहन थीं
C) उन्होंने अपने जीवनकाल में विवाह नहीं किया
D) उन्होंने 527 ई. पू. में पटना के नजदीक पावापुरी में देहत्याग किया

111. महावीर की पुत्री प्रियदर्शनी का विवाह किससे हुआ था?
A) बिम्बिसार
B) इंद्रभूति गौतम
C) जमाली
D) मौर्यपुत्र

112. प्राचीन मगध की निम्नलिखित में से किस गुफा में प्रथम बौद्ध परिषद का आयोजन किया गया था?
A) सोन भंडार गुफा
B) सप्तपर्णी गुफा
C) लोमस ऋषि गुफा
D) सुदामा गुफा

113. उब्बीरी कौन थीं?
A) एक जैन मठवासिनी
B) एक बौद्ध मठवासिनी
C) एक वैष्णव संत
D) एक शैव संत

114. प्रथम जैन संगीति का आयोजन कहाँ किया गया था?
A) पाटलिपुत्र
B) वैशाली
C) राजगृह
D) वल्लभी

मौर्य एवं मौर्योत्तर साम्राज्य

115. भारत में अशोक के शिलालेख का सबसे पहला गूढ़ पुरालेख किस लिपि में लिखा गया था? [RRB NTPC 2021]
A) खरोष्ठी
B) देवनागरी
C) हड़प्पन
D) ब्राह्मी

116. सांची स्तूप _____ शहर के निकट स्थित है। [RRB NTPC 2021]
A) भोपाल
B) ग्वालियर
C) झाँसी
D) आगरा

117. भारत का राष्ट्रीय प्रतीक लायन कैपिटल किस सम्राट द्वारा बनवाया गया है? [RRB NTPC 2017]

A) अशोक
B) अकबर
C) चन्द्रगुप्त
D) अजातशत्रु

118. अशोक के अधिकांश शिलालेख _____ भाषा में थे जबकि उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में अरामी और ग्रीक में थे। [RRB NTPC 2022]
A) पालि
B) संस्कृत
C) प्राकृत
D) तमिल

119. सम्राट अशोक के दादा कौन थे? [RRB NTPC 2022]
A) दशरथ
B) विटाशोक
C) चंद्रगुप्त मौर्य
D) बिंदुसार

120. 272/268-231 ईसा पूर्व के दौरान किस मौर्य सम्राट ने अपने शिलालेख चट्टानों और खंभों पर खुदवाए थे? [RRB NTPC 2022]
A) अशोक
B) बिन्दुसार
C) चंद्रगुप्त मौर्य
D) बृहद्रथ

121. अशोकन शिलालेखों के वितरण के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा स्थल गुजरात के आधुनिक राज्य में है? [RRB NTPC 2022]
A) गिरनार
B) कालसी
C) शिशुपालगढ़
D) सन्नाती

122. मौर्य शासन के दौरान निम्नलिखित में से किस प्रांत को कर्नाटक में सोने की खान का केंद्र माना जाता था? [RRB NTPC 2022]
A) तोसाली
B) उज्जयिनी
C) तक्षशिला
D) सुवर्णागिरी

123. निम्नलिखित में से कौन पाटलिपुत्र में स्थानांतरित होने से पहले कई वर्षों तक मगध की राजधानी थी? [RRB NTPC 2022]
A) पटना
B) गया
C) नालंदा
D) राजगृह

124. मेगस्थनीज एक राजदूत था जिसे सेल्यूकस निकेटर नामक _____ शासक द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया था। [RRB NTPC 2022]
A) यूनानी
B) अरब
C) चीनी
D) फ़ारसी

125. राजा अशोक _____ के पुत्र थे जो मौर्य वंश से संबंधित थे। [RRB Group D 2018]
A) बिम्बिसार
B) चंद्रगुप्त मौर्य
C) चन्द्रगुप्त II
D) बिन्दुसार

126. मौर्य काल के साहित्यक स्रोतों में इंडिका और _____ शामिल हैं। [RRB Group D 2018]
A) चट्टानी शिलालेख
B) अर्थशास्त्र
C) सिक्के
D) स्तंभ शिलालेख

127. सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म के आदर्शों के प्रचार के लिए धर्मप्रचारकों को दूरदराज के स्थानों पर भेजा ताकि लोग भगवान बुद्ध की शिक्षाओं द्वारा अपने जीवन को प्रेरित कर सकें। इन धर्मप्रचारकों में उनका पुत्र _____ एवं पुत्री _____ भी शामिल थे। [RRB Group D 2018]
A) मनोज एवं संजना
B) महेश एवं संगीता
C) महेंद्र एवं संघमित्रा
D) मनदीप एवं सुहासना

128. निम्नलिखित में से कौन अशोक के शासन के तहत एक प्रांतीय राजधानी थी?
I. तक्षशिला
II. उज्जैन
A) न तो I और न ही II
B) केवल II
C) I और II दोनों
D) केवल I

129. निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. कलिंग युद्ध
II. बिंदुसार का राज्याभिषेक
III. शुंग राजवंश
A) I, II, III
B) II, I, III
C) III, I, II
D) II, III, I

130. कौन-सा साहित्यिक स्रोत यह बताता है कि कैसे चंद्रगुप्त मौर्य ने नंदों को उखाड़ फेंकने (पराजय) के लिए चाणक्य की सहायता प्राप्त की?
A) मुद्रा राक्षस
B) इंडिका
C) अर्थशास्त्र
D) दिव्यावदान

131. पुष्यमित्र, जो अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ का सेनापति था, ने राजा को मार डाला और एक नए राजवंश की स्थापना की। निम्नलिखित में से उनका वंश कौन-सा था?
A) शुंग
B) कण्व
C) सातवाहन
D) चेदि

132. मौर्य काल के वंशानुगत सैनिकों को _____ के नाम से जाना जाता था।
A) भृतक
B) मौला
C) अठावीवाला
D) वर्धकी

133. निम्नलिखित में से किस राज्य में एरागुडी शिलालेख स्थित है?
A) आंध्र प्रदेश
B) तमिलनाडु
C) ओडिशा
D) केरल

134. निम्नलिखित में से कौन शुंग वंश के शासक थे?
A) पोरस
B) पुष्यमित्र
C) बिन्दुसार
D) अशोक

135. निम्नलिखित में से किस शासक ने "देवपुत्र" या 'ईश्वर का पुत्र' की उपाधि धारण की थी?
A) चोल शासक
B) मौर्य शासक
C) गुप्त शासक
D) कुषाण शासक

136. मौर्य काल में समाहर्ता का अर्थ है
A) सेना नायक
B) गोदाम का प्रमुख अभिरक्षक
C) प्राक्कलन और संग्रहण का प्रभारी अधिकारी
D) वन अधिकारी

137. चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने अंतिम दिन कहाँ व्यतीत किए?
A) काशी
B) पाटलिपुत्र
C) उज्जैन
D) श्रवणबेलगोला

138. प्राचीन भारत में आक्रमणकारियों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा सही कालानुक्रमिक क्रम है?
A) शक-कुषाण - यूनानी
B) यूनानी-शक-कुषाण
C) शक-यूनानी - कुषाण
D) यूनानी-कुषाण-शक

139. किस कुषाण शासक ने अपने साम्राज्य का विस्तार बिहार तक किया था ?
A) विम कडफिसेस
B) कनिष्क
C) सदाशकाना
D) कुजुल कडफिसेस

140. चंद्रगुप्त मौर्य का सबसे पहला पुरालेखीय संदर्भ किसमे पाया जाता है?
A) अशोक का बाराबार पहाड़ी गुफा शिलालेख
B) दशरथ का नागार्जुनी पहाड़ी गुफा शिलालेख
C) अशोक का जूनागढ़ शिलालेख
D) रुद्रदमन का जूनागढ़ शिलालेख

141. मौर्यकालीन रथों के पताकाओं का रंग कैसा था?
A) सफेद
B) नीला
C) लाल
D) हरा

142. किस प्रमुख शिलालेख में अशोक ने ब्राह्मणों (Brahmins) और श्रमणों (Sramanas) के प्रति सार्वजनिक उदारता की सलाह दी?
A) पाँचवे शिलालेख
B) नौवें शिलालेख
C) तीसरे शिलालेख
D) चौथे शिलालेख

143. मौर्योत्तर ब्राह्मणों के बारे में निम्नलिखित कथनों को पढिए और जो सही नहीं है उसकी पहचान कीजिए:
A) राजा अपने दैनिक कार्यों के लिए ब्राह्मणों पर निर्भर रहते थे।
B) किसी राजा के लिए सबसे बड़ी प्रशंसा यह कहना था कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया जिससे ब्राह्मणों को ठेस पहुँचे।
C) ब्राह्मण वेदों में पारंगत थे और प्रतिदिन उनके अनुष्ठान करते थे।
D) ब्राह्मण शाकाहार का सख्ती से पालन करते थे और कभी भी नशा नहीं करते थे।

144. निम्नलिखित में से कौन सी संस्कृत कृति नहीं है?
A) ललितविस्तार
B) दिव्यवदन
C) मिलिंद पन्हो
D) महावस्तु

145. कुषाण साम्राज्य के पतन के बाद पाटलिपुत्र पर किसने अधिकार किया था?
A) कण्व B) शुंग
C) हूण D) सीथियन

146. निम्नलिखित में से कौन भारत में शक शासक (130-150 ई.) था?
A) बिंदुसार B) पाण्डुका
C) रुद्रदामन D) चश्ताना

147. अंतिम मौर्य राजा की हत्या के लिए कौन जिम्मेदार था?
A) वासुदेव कण्व B) सिमुक
C) कनिष्क D) पुष्यमित्र शुंग

148. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

शासक	संबंधित तथ्य
1. सातकर्णी प्रथम	खारवेल के निधन के बाद उसने कलिंग पर विजय प्राप्त की।
2. हाला	उन्होंने गाथा सप्तशती का रचना किया।
3. गौतमीपुत्र सातकर्णी	उन्हें सातवाहन परंपरा के सर्वश्रेष्ठ स्वामी माना जाता है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से युग्म सुमेलित हैं?
A) केवल 1 B) केवल 1 और 2
C) 1, 2 और 3 D) उपर्युक्त में से एक से अधिक

149. मौर्य काल के बाद के विजेता अर्थात् यूनानियों, शक, पार्थियनों और कुषाणों के संदर्भ में, निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा सही नहीं है?
A) उन्होंने भारत में अपनी पहचान खो दी और पूर्ण रूप से भारतीयकृत हो गए B) उन्हें द्वितीय श्रेणी के क्षत्रियों के रूप में जाना जाने लगा
C) उन्होंने वैष्णववाद को अपने धर्म के रूप में स्वीकार किया और शैव धर्म को त्याग दिया D) उपर्युक्त में से एक से अधिक

150. निम्नलिखित में से किस राजा ने सांची में स्तूप का निर्माण करवाया था?
A) अशोक B) बिंदुसार
C) कनिष्क D) कुमारगुप्त

151. अर्थशास्त्र में यथानिर्धारित निम्नलिखित में से कौन-सा कार्यकलाप राजा के दैनिक समय सारणी का हिस्सा *नहीं* था?
A) प्रतिरक्षा के संबंध में सूचना प्राप्त करना B) गुप्त रूप से नगर का भ्रमण करना
C) राजस्व को नकदी में प्राप्त करना D) अपने मंत्रि-परिषद से परामर्श करना

152. निम्नलिखित में से अशोक के किस शिलालेख में उल्लेख है कि 'सभी प्रजाजन मेरे बच्चे हैं।'
A) रुम्मिनदेई B) श्चिस्म
C) दिल्ली-टोपरा D) धौली और जौगड़ा

153. मौर्य शासन व्यवस्था मे 'तीर्थ' का अर्थ क्या है?
A) समिति B) प्रशासनिक विभाग
C) धर्म-स्थल D) तीर्थ स्थल पर लिया जाने वाला कर

154. कौन सा साहित्यिक स्रोत बताता है कि कैसे चंद्रगुप्त मौर्य ने नंदों को उखाड़ फेंकने के लिए चाणक्य की सहायता प्राप्त की?
A) मुद्राराक्षस B) इंडिका
C) अर्थशास्त्र D) दिव्यावदान

155. किस ग्रंथ में इस बात का उल्लेख मिलता है कि मौर्य सेना के सेनापति पुष्यमित्र ने मौर्य राजा बृहद्रथ की हत्या कर दी थी?
A) मालविकाग्निमित्र B) नागानंद
C) हर्षचरित D) कादम्बरी

156. भारत के प्राचीन राजवंश के संदर्भ में वासुदेव, भूमिमित्र, नारायण और सुशर्मन किस वंश के राजा थे?
A) शुंग राजवंश B) कुषाण राजवंश
C) सातवाहन राजवंश D) कण्व राजवंश

157. मौर्य काल के दौरान मथुरा का सबसे प्रसिद्ध 'शाटक' एक प्रकार का _____ था।
A) धातु B) नृत्य
C) शराब D) वस्त्र

158. किस राजवंश के अंतर्गत, भूमि अनुदान पर सबसे प्रथम शिलालेख की जानकारी मिलती है?
A) मौर्य B) सातवाहन
C) शक D) गुप्त

159. किस मौर्य शासक को यूनानियों द्वारा 'अमित्रघात' कहा जाता था?
A) समुद्रगुप्त B) चंद्रगुप्त प्रथम
C) बिंदुसार D) कनिष्क

गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल

160. माना जाता है कि दिल्ली के महरौली में स्थित लौह स्तंभ किसकी उपलब्धियों को दर्ज करता है:
A) अशोक B) चन्द्रगुप्त मौर्य
C) समुद्रगुप्त D) चंद्रगुप्त द्वितीय

161. हर्षवर्द्धन ने गौड़ साम्राज्य के किस शासक के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की?
A) पुलकेशिन I B) पुलकेशिन II
C) नरसिम्हदेव D) शशांक

162. स्कंदगुप्त ने पांच प्रकार के स्वर्ण सिक्के जारी किए थे। निम्नलिखित में से कौन सा उनमें से एक प्रकार नहीं है?
A) तीरंदाज प्रकार B) घुड़सवार प्रकार
C) राजा और रानी प्रकार D) बैल (वृषभ) प्रकार

163. गुप्तकाल में ब्राह्मणों को जो भूमि दान दी जाती थी उसे क्या कहते थे?
A) वेल्लनवगाई B) शालाभोग
C) देवदान D) अग्रहार

164. विक्रमादित्य VI, जिनके दरबारी कवि बिल्हण ने उनकी जीवनी लिखी थी, _____राजवंश के शासक थे।
A) चालुक्य B) पल्लव
C) राष्ट्रकूट D) गंगा

165. भारत के लिए फाह्यान का मिशन _____ था।
A) गुप्त राजाओं की प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में जानना B) गुप्त काल में महिलाओं की सामाजिक स्थिति को समझना
C) बौद्ध संस्थानों का दौरा करना और बौद्ध पांडुलिपियों की प्रतियां एकत्र करना D) उपरोक्त में से एक से अधिक

166. हर्षवर्धन के शासनकाल में कौन-सा चीनी तीर्थयात्री भारत आया था?
A) फाह्यान B) इत्सिंग
C) निशका D) ह्वेनसांग

167. दक्षिण भारत के निम्नलिखित किस राजवंश ने अपने दस्तावेज़ पहले प्राकृत में और बाद में संस्कृत में जारी किए ?
A) तमिलनाडु के चोल B) उत्तर संगम काल के पांड्या
C) तोंडईमंडलम के पल्लव D) कलिंगनगर के गंग

168. भारत में स्थापत्य विकास किस काल के दौरान अपनी पूर्ण महिमा में प्रकट हुआ?
A) गुप्त B) नंद
C) मौर्य D) चोल

169. निम्नलिखित में से कौन सा प्राचीन भारतीय सामंती व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम था?
A) जाति व्यवस्था में स्थिरता B) हस्तशिल्प का विकास
C) कृषि योग्य भूमि का विस्तार D) व्यापार एवं वाणिज्य का विकास

170. महाबलीपुरम स्मारक _____ राजवंश वास्तुकला में बनाए गए थे।
A) चंदेल B) पल्लव
C) पाली D) गुप्त

171. निम्नलिखित में से प्राचीन भारतीय इतिहास में प्लास्टिक सर्जरी के जनक के रूप में किसे जाना जाता है?
A) सुश्रुत B) कल्हण
C) बिम्बिसार D) कौटिल्य

172. रविकीर्ति ने निम्नलिखित में से किस चालुक्य शासक की प्रशस्ति की रचना की थी?
A) मंगलेश प्रथम B) पुलकेशिन द्वितीय
C) कीर्तिवरमण द्वितीय D) विक्रमादित्य चतुर्थ

173. समुद्रगुप्त की माता निम्नलिखित में से किस गण से संबंधित थीं?
A) कोलिय B) लिच्छवी
C) शाक्य D) वज्जि

174. निम्नलिखित में से कौन प्रारंभिक भारतीय इतिहास के सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासकों में से एक, चंद्रगप्त II, की पुत्री थी?
A) सत्यवती गुप्त B) प्रभावती गुप्त
C) अमरावती गुप्त D) कुषाण गुप्त

175. निम्नलिखित में से कौन चंद्रगुप्त द्वितीय के नौ रत्नों में से एक है? [RRB NTPC 2021]
A) विशाखदत्त B) ब्रह्मगुप्त
C) मोग्गलन D) वराहमिहिर

176. 'भारत का नेपोलियन' किसे कहा जाता है? [RRB NTPC 2021]
A) स्कन्दगुप्त B) समुद्रगुप्त
C) कुमारगुप्त D) चन्द्रगुप्त

177. विक्रमादित्य किस प्रसिद्ध गुप्त शासक का दूसरा नाम है? [RRB NTPC 2021]
A) चंद्रगुप्त प्रथम B) रामगुप्त
C) कुमारगुप्त द्वितीय D) चंद्रगुप्त द्वितीय

178. प्रारंभिक भारतीय इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण शासकों में से एक चंद्रगुप्त द्वितीय की बेटी का नाम बताइए? [RRB NTPC 2021]
A) पार्वतीगुप्त B) रुद्रमा देवी
C) प्रभावतीगुप्त D) लोपामुद्रा

179. रविकीर्ति का ऐहोल शिलालेख पुलकेशिन द्वितीय की _____ पर विजय के बारे में विस्तार से वर्णन करता है। [RRB NTPC 2022]
A) समुद्रगुप्त B) हर्ष
C) खारवेल D) कीर्तिवर्मन I

180. निम्नलिखित में से कौन हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था? [RRB NTPC 2022]
A) फाह्यान B) ज़ुआनज़ांग (ह्वेनत्सांग)
C) मार्को पोलो D) इब्न बतूता (अबू अब्दुल्ला मुहम्मद इब्न-बतूता)

181. प्रयाग प्रशस्ति (जिसे इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख के रूप में भी जाना जाता है) हमें _____ की उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। [RRB NTPC 2022]
A) समुद्रगुप्त B) चंद्रगुप्त-प्रथम
C) अशोक D) श्रीगुप्त

182. ऐहोल शिलालेख निम्नलिखित में से किस शासक के साथ जुड़ा हुआ है? [RRB Group D 2018]
A) विक्रमादित्य B) पुलकेशिन द्वितीय
C) अकबर D) अशोक

183. चंद्रगुप्त द्वितीय ने _____ में गुजरात में गुप्त साम्राज्य का विस्तार किया। [RRB Group D 2018]
A) 390 B) 309
C) 903 D) 930

184. भारत के इतिहास के संदर्भ में '*राजुक*' शब्दों का प्रयोग निम्नलिखित में से किसके लिए किया जाता है?
A) व्यापारी संघ B) भूमि माप
C) राजनीतिक संघ D) राजस्व अधिकारी

185. गुप्त के सोने और चांदी के मुद्राएं में _____ के सिक्कों पर आधारित थे।
A) रोमनों और शक-क्षत्रपों B) कुषाणों और यौधेयों
C) कुषाणों और शक-क्षत्रपों D) रोमन और कुषाणों

186. अभिकथन (A) हर्षवर्धन, चीनी यात्री ह्वेन त्सांग के अनुसार न केवल बौद्ध धर्म का पालन करता था, बल्कि ब्राह्मण धर्म के प्रति भी विरोध करता था।
कारण (R) कुछ मुहरें जो अपने बड़े भाई को बौद्ध के रूप में संदर्भित करती हैं, हर्ष को एक समर्पित शैव के रूप में वर्णित करती हैं।
A) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है B) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
C) A सही है, परन्तु R गलत है D) A गलत है, परन्तु R सही है

187. झांसी के पास देवगढ़ का मंदिर और इलाहाबाद के पास गढ़वास मंदिर में बनी मूर्तियां निम्न कला के महत्वपूर्ण अवशेष हैं:
A) गुप्त कला B) राष्ट्रकूट कला
C) पल्लव कला D) मौर्य कला

188. चालुक्य राजा पुलकेशिन द्वितीय ने किस फ़ारसी राजा के पास अपना दूत भेजा था?
A) खुसरो द्वितीय B) क्षयार्षा
C) सायरस D) डेरियस प्रथम

189. निम्न में से कौन सा युग्म सुमेलित है?
A) कुबेरनागा - चन्द्रगुप्त I से विवाह B) ध्रुवदेवी - रामगुप्त की विधवा जिससे चन्द्रगुप्त द्वितीय ने विवाह किया
C) प्रभावती - चन्द्रगुप्त द्वितीय से विवाह D) कुमारदेवी - वाकाटक शासक रुद्रसेन द्वितीय से विवाह

190. प्राचीन काल में हुए त्रिपक्षीय संघर्ष में निम्नलिखित में से किस वंश ने भाग नही लिया था?
A) पाल B) प्रतिहार
C) राष्ट्रकूट D) चालुक्य

191. समुद्रगुप्त की इलाहाबाद प्रशस्ति की रचना किसने की?
A) रविकीर्ति B) उमापति धारा
C) वत्सभट्टि D) हरिषेण

192. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रंथ खगोलीय प्रणाली पर आधारित एक लेख है?
A) गणितसारसंग्रह B) पंचसिद्धांतिका
C) नामलिंगानुशासन D) अष्टांगहृदय

193. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना 5वीं शताब्दी में _____ द्वारा की गई थी।
A) स्कन्दगुप्त B) चंद्रगुप्त द्वितीय
C) कुमारगुप्त D) समुद्रगुप्त

194. निम्नलिखित में से कौन वाकाटक राजवंश का संस्थापक था?
A) प्रवरसेन प्रथम B) विंध्यशक्ति
C) प्रवरसेन द्वितीय D) प्रभावतीगुप्ता

195. हर्षवर्द्धन और पुलकेशिन द्वितीय के बीच युद्ध किस नदी के तट पर हुआ था?
A) नर्मदा B) कृष्णा
C) गोदावरी D) गंगा

196. राजा हर्षवर्धन की राजधानी कौन सी थी?
A) पाटलिपुत्र B) कन्नौज
C) वाराणसी D) मथुरा

197. हर्षवर्धन ने दो महान धार्मिक सम्मेलनों का आयोजन कहाँ किया था?
A) कन्नौज और प्रयाग B) प्रयाग और थानेश्वर
C) थानेश्वर और वल्लभी D) वल्लभी और प्रयाग

198. गुप्त काल के 'प्रथम कुलिक' शब्द का अर्थ है :
A) मुख्य न्यायिक अधिकारी B) मुख्य बैंकर
C) मुख्य व्यापारी D) मुख्य शिल्पकार

199. सोलंकी राजा कुमारपाल ने निम्नलिखित शिलहारा राजाओं में से किसको हराया था?
A) मल्लिकार्जुन B) अरिकेसरिन
C) अपराजित D) चित्तराज

200. हर्षवर्धन किस वंश के थे? [RRB NTPC 2022]
A) गुप्त वंश B) चालुक्य वंश
C) मौर्य वंश D) पुष्यभूति वंश

संगम काल

201. निम्नलिखित शासकों में से कौन 'संगम काल के चेरा राज्य' से संबंधित नहीं था?
A) नेडियन B) उथियाँ चेरालाथन
C) नेदुम चेरालाथन D) नेदुम

202. सिलप्पादिकारम 'एक तमिल महाकाव्य है जिसे _____ द्वारा लिखा गया था।

A) एववाइयर B) थिरुवल्लुअर
C) सत्तानर D) इलंगो आदिगल

203. संगम युग के दौरान कौन सा राजवंश सत्ता में नहीं था?
A) पाण्ड्य B) चेर
C) चोल D) पल्लव

204. निम्नलिखित में से कौन संगम के पांच महाकाव्यों से संबंधित नहीं है?
A) सिलापथीकरम B) मनिमेगलाई
C) सिवकाचिंतामणी D) थिरुमुरुगात्रुपदै

205. संगम युग में तोलकाप्पियम _____ साहित्य की सबसे बड़ा रचना है।
A) तमिल B) तेलगु
C) संस्कृत D) कन्नड़

206. अमाइचर शब्द का वर्णन संगम काल के दौरान निम्नलिखित में से किसके रूप में किया गया है?
A) मंत्रियों B) सैन्य कमांडर
C) दूत D) गुप्तचर

207. चोल राजवंश के अंतिम शासक कौन थे? [RRB NTPC 2016]
A) राजाराजा चोल तृतीय B) राजेंद्र चोल तृतीय
C) विजयालय चोल D) कोलूथुंगा चोल तृतीय

208. प्राचीन भारत में 'संगम' क्या था?
A) तमिल कवियों का संघ या मंडल। B) तमिल राजा के दरबारी कवि
C) तमिल बस्ती D) मध्य पाषाण कब्रें

209. निम्नलिखित में से किस शहर में संगम सभाओं का आयोजन हुआ था?
A) नागपट्टिनम B) थिरुवरुर
C) तिरुवल्लुर D) मदुरै

210. दक्षिण भारत में कितने संगम (तमिल कवियों की सभा) आयोजित किए गए थे?
A) चार B) तीन
C) पांच D) दो

ANSWER KEY

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
Ans	C	D	A	B	D	B	B	D	D	D	A	D	A	D
Q.	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
Ans	D	D	C	A	C	A	D	B	B	D	D	A	A	C
Q.	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42
Ans	D	C	A	A	D	D	C	D	A	C	A	C	D	A
Q.	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56
Ans	D	C	D	B	C	A	D	C	D	C	B	B	B	B
Q.	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
Ans	A	B	D	A	D	A	D	B	C	A	A	B	A	C
Q.	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
Ans	C	A	B	A	C	B	A	C	C	C	A	B	C	A
Q.	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98
Ans	B	C	B	A	D	D	D	B	B	D	B	D	C	C
Q.	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112
Ans	A	B	D	C	C	A	A	B	A	C	B	C	C	B
Q.	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126
Ans	B	A	D	A	A	C	C	A	A	D	D	A	D	B
Q.	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140
Ans	C	C	B	A	A	B	A	B	D	C	D	B	A	D
Q.	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154
Ans	A	C	D	C	D	C	D	C	C	A	B	D	B	A
Q.	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168
Ans	C	D	D	B	C	D	D	D	D	A	C	D	C	A
Q.	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182
Ans	C	B	A	B	B	B	D	B	D	C	B	B	A	B
Q.	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196
Ans	A	D	D	D	A	A	B	D	D	B	C	B	A	B
Q.	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210
Ans	A	D	A	D	A	D	D	D	A	A	B	A	D	B

SOLUTIONS

पाषाण युग एवं सिंधु घाटी सभ्यता

1. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता ईंटों से बनी इमारतें थीं। सिंधु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है, जो लगभग 2500 ईसा पूर्व पाकिस्तान और पश्चिमी भारत में विकसित हुई।

2. धोलावीरा, एक पुरातात्विक स्थल, सिंधु घाटी सभ्यता काल से संबन्धित है। धोलावीरा पश्चिमी भारत में गुजरात राज्य के कच्छ जिले के भचाऊ तालुका में खादिरबेट में एक पुरातात्विक स्थल है, इसका नाम इसी के दक्षिण में 1 किलोमीटर दूर एक आधुनिक गाँव से लिया गया है।

3. सिंधु घाटी सभ्यता एक कांस्य युग की सभ्यता थी जो 2500-1700 ईसा पूर्व तक दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी भाग में मौजूद थी। यह सभ्यता धातु विज्ञान में तकनीकों के विकास और बर्तनों, मूर्तियों, जहाजों और आभूषणों के लिए कांस्य, तांबा, सीसा और टिन के उपयोग के लिए जानी जाती है।

4. भारत का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता के जन्म से शुरू होता है, जिसे विशेष रूप से हड़प्पा सभ्यता के रूप में जाना जाता है। यह लगभग 2,500 ईसा पूर्व दक्षिण एशिया के पश्चिमी भाग, यानी पाकिस्तान और पश्चिमी भारत में विकसित हुई थी।

To Buy

CLICK / TAP ON THE BOOK

books.testbook.com

RRB NTPC 2024
NOTIFICATION OUT !!
GRADUATE LEVEL
CBT 1 + CBT 2
Inclusive of weekly FREE LIVE TEST
VACANCIES 8110+
160+ Previous Year Papers
1100+ Tests Available
Available in English, Hindi, Marathi, Bengali, Gujrati, Tamil, Telugu, Kannad, Oriya Languages
View Test Series

RRB ALP 2024
CBT-1
CBT-2
Psycho
850+ Total test
60+ Previous Year Papers
Available in 7 Languages
REVISED VACANCIES 18000+
All India RRB ALP : LIVE Test - Every Saturday
New Additions - Physics Numerical Qs , NCERT General Science
View Test Series

RPF CONSTABLE 2024
बम्पर भर्ती 4200+
Complete Preparation
Highlight
Test Series available in 6 Languages
Practice extensive difficulty variations with
170+ Tests
7200+ Questions
View Test Series

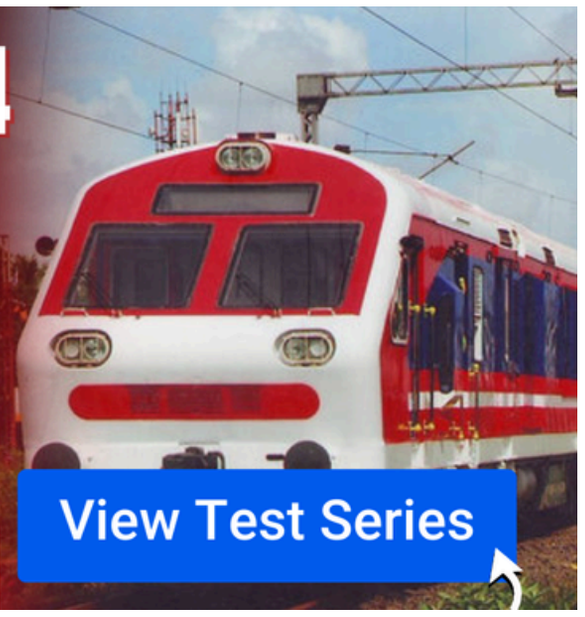

RRB GROUP D 2024
Complete Preparation
685+ Mock Tests
170+ Previous Year Papers
Available in Multiple Languages
TEST
Gain a competitive advantage with the NCERT General Science Questions
View Test Series

RRB JE 2024
CBT 1 + CBT 2
Complete Preparation
Tests are available in Six languages (CBT1)
Foundation Series
1490+ Tests Available
30+ Previous Year Papers
BUMPER VACANCIES 7900+
View Test Series

Inclusive of Weekly LIVE Test
RRB TECHNICIAN GRADE 3
Complete Preparation
Test Series according to the New Pattern
Month & Topic Wise Current Affairs
660+ Tests Available
50+ Previous Year Papers
Foundation Series !!
REVISED VACANCIES 14298
View Test Series

5.

स्थल	उत्खनन कर्ता	क्षेत्र	निष्कर्ष
हड़प्पा	दयाराम साहनी (1921)	पाकिस्तान का मोंटोगोमरी जिला, रावी नदी का बायां तट।	• 6 अन्नागार की पंक्तियाँ। • पत्थर के बने लिंग और योनि आकृतियाँ। • लकड़ी की वेदी में गेहूं और जौ। • नृत्य करते हुए नटराज। • तांबे का मापक, दर्पण, श्रृंगार का डिब्बा, पासा।
मोहनजोदड़ो	आरडी बनर्जी (1922)	सिंधु के दाहिने तट पर सिंध में लरकाना जिला।	• पशुपति मुहरें। • नृत्य करती महिला की कांस्य मूर्ति। • दाढ़ी वाले पुरुष की मिट्टी की आकृति। • मातृदेवी की मृण मूर्ति। • तीन बेलनाकार मुहरें।

6. सिंधु घाटी सभ्यता के मुख्य स्थल राखीगढ़ी (आनुवंशिक परीक्षण वाला पहला स्थल), सनौली, फरमाणा, कालीबंगन, लोथल, धोलावीरा, मेहरगढ़, हड़प्पा, चन्हुदड़ो और मोहनजोदड़ो हैं।
उरुक, जिसे वारका या वारकाह के नाम से भी जाना जाता है, सुमेर (और बाद में बेबीलोनिया का) का एक प्राचीन शहर था, जो आधुनिक समवा से 30 किलोमीटर पूर्व में यूफ्रेट्स के शुष्क प्राचीन चैनल पर यूफ्रेट्स नदी अल- मुथन्ना, इराक के वर्तमान तट के पूर्व में स्थित था।

7. हड़प्पा सभ्यता की मुहरों पर अक्सर बैल देखा जाता था। हड़प्पा की मुहरें और सामग्री सुमेरियन, मेसोपोटामिया ओमान, बहरीन और ईरान में पायी गई थीं।

8. हड़प्पा भारत में खोजा गया सबसे प्रारंभिक शहर हड़प्पा था। इसकी खुदाई 1921 में ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत में की गई थी। प्रथम स्थल के रूप में हड़प्पा की खुदाई के बाद, सिंधु घाटी सभ्यता को इसके बाद हड़प्पा सभ्यता के रूप में भी जाना जाता है।

9. मोहनजोदड़ो की तुलना में चन्हुदड़ो एक छोटी बस्ती थी। यह अनुभाग केवल हस्तशिल्प के निर्माण के लिए समर्पित था। मनका बनाना, शंख काटना, धातु कार्य, मुहर बनाना और भारोत्तोलन कुछ प्रमुख शिल्प उत्पाद हैं।

10. सिंधु घाटी की बस्तियों में नागेश्वर और बालाकोट से शंख, शोर्तुघई से लाजवर्द मणि, भरूच से कार्नेलियन और राजस्थान और गुजरात से सेलखड़ी खरीदा जाता था। तांबा ओमान से प्राप्त होता था। मिट्टी और लकड़ी जैसी स्थानीय सामग्रियों का भी उपयोग किया जाता था।

11. सेलखड़ी वह सामग्री थी जिसका उपयोग अधिकांश मानक हड़प्पा मुहरों को बनाने के लिए किया जाता था। ये मुहरें 2 × 2 आयाम के साथ चौकोर आकार की थीं और मुख्य रूप से व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाती थीं। सेलखड़ी एक नरम पत्थर है जिसे तराशना आसान था और यह क्षेत्र में आसानी से उपलब्ध था।

12. पंजाब में रोपड़ स्वतंत्र भारत में सिंधु घाटी की सबसे प्राचीन उत्खनन और एक अच्छी तरह से विकसित सभ्यता का स्थल है। हाल के उत्खनन ने इसके महत्व को और अधिक स्थापित कर दिया है। बनावली हरियाणा में, सरस्वती नदी के तट पर एक और सिंधु घाटी स्थल है। हालाँकि, प्रश्न का सही उत्तर रोपड़ है।

13. सर्वप्रथम, 1921 में, राय बहादुर दया राम साहनी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक सर जॉन मार्शल के निर्देशन में पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर स्थित हड़प्पा की खोज की थी। इस सभ्यता के लिए तीन नामों का प्रयोग होता है- सिंधु सभ्यता, सिंधु घाटी सभ्यता और हड़प्पा सभ्यता।

14. हड़प्पा के कालीबंगा स्थल से 2600 ईसा पूर्व के आसपास भूकंप के साक्ष्य मिले हैं, जिससे इस स्थल पर प्रारंभिक सिंधु बस्ती का अंत हो गया। यह संभवतः पुरातात्विक रूप से दर्ज किया गया सबसे पहला भूकंप है।

15. मेहरगढ़ बलूचिस्तान में क्वेटा से लगभग 150 किलोमीटर दूर कच्छी मैदानों में बोलन नदी की घाटी में स्थित है। यह एक मिट्टी के बर्तनों वाले नवपाषाण से पूर्व की संस्कृति है और निवासियों ने पॉलिश पत्थर की कुल्हाड़ियों, चक्कियों, लघु पाषाण और हड्डी के औजारों का इस्तेमाल किया था। चिकारे, दलदली हिरण और मृग की हड्डियों से संकेत मिलता है कि वे जंगली जानवरों का भी शिकार करते थे।

16. उत्तर हड़प्पा और गेरुआ रंग के मिट्टी के बर्तनों के चरण के बीच अतिव्यापन का पता पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बड़गांव और अंबाखेड़ी स्थलों पर लगाया जा सकता है। साक्ष्य हड़प्पावासियों के पूर्व और दक्षिण की ओर प्रवास का सुझाव देते हैं। गेरू रंग की मिट्टी के बर्तनों की संस्कृति भारत-गंगा के मैदान की कांस्य युग की संस्कृति है, जो आम तौर पर "2000-1500 ईसा पूर्व" की है, जो पूर्वी पंजाब से उत्तरपूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैली हुई है, जो स्वर्गीय हड़प्पा संस्कृति और वैदिक संस्कृति दोनों के साथ समानता दिखाती है। .

17. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली ने कालीबंगन का उत्खनन कार्य किया। कालीबंगन राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्गर के बाएं या दक्षिणी तट पर स्थित एक शहर है। "कालीबंगा" नाम का अर्थ है "काले रंग की चूड़ियाँ"। हाथी के पैर की हड्डी कालीबंगन में मिली थी।

18. आहर के उत्खनन का कार्य एच.डी. सांकलिया के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। आहड़ सभ्यता राजस्थान के उदयपुर में स्थित थी। यह सभ्यता बनास नदी के निकट स्थित थी। इसे 'ताम्रवती' के नाम से भी जाना जाता था।

19. हड़प्पा नगरों का वह भाग जिसे दुर्ग के नाम से जाना जाता था वह पश्चिमी भाग था। यह आमतौर पर एक ऊंचे क्षेत्र पर स्थित था और ऊंची दीवारों से घिरा हुआ था। यह दुर्ग शहर की सबसे महत्वपूर्ण इमारतों का घर था, जिनमें मंदिर, महल और प्रशासनिक इमारतें शामिल थीं।

20. हड़प्पा, प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख शहरों में से एक, रावी नदी के तट पर बनाया गया था। हड़प्पा के अवशेष वर्तमान पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के साहीवाल शहर के पास स्थित हैं।

21. मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक पुरातात्विक स्थल है। मोहनजोदड़ो का अर्थ मृतकों का टीला होता है। हड़प्पा की खोज के एक वर्ष बाद, 1922 में मोहनजोदड़ो के पुरातात्विक स्थल को मान्यता दी गई थी। मोहनजोदड़ो प्रागैतिहासिक सिंधु संस्कृति से लगभग 3,000 ईसा पूर्व विकसित हुआ था।

22. हड़प्पावासियों ने शोर्तुघई से एक नीला पत्थर लाजवर्द मणि प्राप्त किया। हड़प्पावासी शिल्प उत्पादन के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग करते थे। जबकि मिट्टी जैसे कुछ स्थानीय रूप से उपलब्ध थे, पत्थर, लकड़ी और धातु जैसे कई को जलोढ़ मैदान के बाहर से खरीदना पड़ता था।

23. शोर्तुघई में नहर के प्रमाण खोजे गए हैं। शोर्तुघई अफ़ग़ानिस्तान में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि यह सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे उत्तरी बस्ती है। शोर्तुघई में कार्नेलियन और लाजवर्द मणि, कांस्य वस्तुएं और पकी मिट्टी की मूर्तियाँ पाई गईं।

24. आर. डी. बनर्जी मोहनजोदड़ो के खोजकर्ता हैं, जिसका अर्थ 'मृतकों का टीला' है। इस स्थल की खोज 1922 में हुई थी।मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित एक प्राचीन शहर है। यह सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे बड़ी बस्तियों में से एक थी।

25. यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाला 40वां भारतीय बिंदु गुजरात में स्थित है। दो स्थानों को जोड़ने के बाद, भारत में विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 40 हो गई है। जबकि धोलावीरा इस सूची में शामिल गुजरात का चौथा और भारत का 40वां स्थल है, लेकिन भारत की प्राचीन सिन्धु घाटी सभ्यता (IVC) से शामिल होने वाला पहला स्थल है।

26. मध्यपाषाण काल घास के मैदानों के विकास से चिह्नित है। इसके परिणामस्वरूप हिरण, मृग, बकरी, भेड़ और मवेशियों, अर्थात घास पर जीवित रहने वाले जानवरों की संख्या में वृद्धि हुई। जो लोग इन जानवरों का शिकार करते थे, वे अब उनका अनुसरण करने लगे और उनके भोजन की आदतों और उनके प्रजनन के मौसम के बारे में जानने लगे।

27. पकी हुई ईंट की इमारतें सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता हैं। जॉन मार्शल 'सिंधु घाटी सभ्यता' शब्द का उपयोग करने वाले पहले विद्वान थे। सिंधु घाटी सभ्यता आद्य-ऐतिहासिक काल (ताम्रपाषाण युग/कांस्य युग) से संबंधित है। दयाराम साहनी ने सबसे पहले 1921 में हड़प्पा सभ्यता की खोज की थी।

वैदिक युग एवं महाजनपदों का उदय

28. "सत्यमेव जयते" का अर्थ है "ट्रुथ अलोन ट्राइंफ"। यह मुंडको उपनिषद के एक मंत्र का हिस्सा है जो एक प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथ है। इस वाक्यांश को भारत की स्वतंत्रता के बाद 26 जनवरी 1950 को भारत के राष्ट्रीय आदर्श वाक्य के रूप में अपनाया गया था।

29. अथर्ववेद चिकित्सा विज्ञान का विश्वकोश है। यह मंत्रों, प्रार्थनाओं, मंत्रों और भजनों का संग्रह था। विभिन्न प्रयोजनों के लिए प्रार्थनाएँ की जाती हैं जैसे फसलों को तड़ित से बचाना, जहरीले साँपों से बचाना, उपचार मंत्र, प्रेम मंत्र, आदि। मंत्र और

मंत्र का उद्देश्य बुराइयों और बीमारियों को दूर करना है। इसमें रोजमर्रा की जिंदगी की प्रक्रिया शामिल है।

30.

- यजुर्वेद संस्कृत के मंत्रों और छंदों का एक प्राचीन संग्रह है, जिसका उपयोग हिंदू पूजा और यज्ञ में किया जाता है।
- यह नाम संस्कृत के मूल से लिया गया था, यजुर, जिसका अर्थ है "पूजा" या "यज्ञ" और वेद, जिसका अर्थ "ज्ञान" है।
- यजुर्वेद को कभी-कभी "यज्ञ के ज्ञान" के रूप में अनुवादित किया जाता है।

31. धनुर्वेद का संबंध धनुर्विद्या (शस्त्र) से है। धनुर्वेद शब्द "धनुष" से आया है जिसका अर्थ है धनुष और "वेद" का अर्थ है ज्ञान अर्थात धनुर्विद्या का विज्ञान। धनुर्वेद धनुर्विद्या और युद्ध कला पर एक प्राचीन ग्रंथ है।

32. ऋग्वेद दुनिया का सबसे प्राचीन धार्मिक ग्रंथ है जिसमें 1028 सूक्त हैं जो दस पुस्तकों में विभाजित हैं। इसमें गायत्री मंत्र और पुरुषसूक्त शामिल है जो जाति व्यवस्था के बारे में बात करता है। चार वेदों के साथ वेद हिंदू धर्म का प्रथम धार्मिक ग्रंथ है। 9वां मंडल सोम सूक्त का संकलन है। ऋग्वेद के 10वें मंडल में जाति व्यवस्था की उत्पत्ति के बारे में पुरुषसूक्त है।

33. सामवेद, यह हिंदू धर्म के चार मुख्य वेदों में से एक है और इसे "गीतों की पुस्तक" या "मंत्रों का वेद" के रूप में जाना जाता है। यह ऋग्वेद के शब्दों पर आधारित धुनों और मंत्रों का एक संग्रह है। गंधर्ववेद, जो संगीत और नृत्य जैसे कला रूपों से संबंधित है, सामवेद से संबंधित है।

34. सामवेद में संगीत के बारे में उल्लेख मिलता है। इसे सुरों की पुस्तक भी कहा जाता है। यह चार वेदों अर्थात् ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद का एक भाग है। इसका उपवेद गंधर्व वेद है।

35. अथर्ववेद चार वेदों में से एक है जिसमें जादुई अनुष्ठानों और आकर्षण के बारे में उल्लेख है। अथर्ववेद को कभी-कभी "जादुई सूत्रों का वेद" कहा जाता है, अन्य विद्वानों द्वारा इस विशेषण को गलत घोषित किया गया है।

36. सोम वेद कोई वेद नहीं है। वेद संस्कृत में लिखे गए हैं और हिंदू संस्कृति के बारे में सबसे पुराने पाठ हैं। उन्हें श्रुति के नाम से भी जाना जाता है।वेदव्यास को वेदों के संकलन के लिए जाना जाता है।

37. 108 उपनिषदों में से 11 उपनिषद प्रमुख माने जाते हैं। उपनिषद शब्द का अर्थ है किसी के पास बैठना और एक छात्र को सीखने के लिए अपने गुरु के पास बैठना।

38. सबसे प्राचीन विद्यमान वेद सांसारिक समृद्धि और प्राकृतिक सौंदर्य पर केंद्रित है। ऐसा माना जाता है कि इसकी रचना 1500 ईसा पूर्व से 1000 ईसा पूर्व के बीच हुई थी। इसमें 1028 सूक्त शामिल हैं जो कई देवताओं को समर्पित थे, विशेष रूप से, उनके मुख्य देवता, इंद्र को। इन स्तोत्रों की रचना ऋषियों द्वारा की गई थी।

39. छठी शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान भारत में धार्मिक आंदोलनों का मूल कारण वैदिक प्रथाओं के कारण बड़े पैमाने पर मवेशियों की बलि थी। प्रारंभिक वैदिक काल की सादगी, सामाजिक समानता, एकता और नैतिकता बाद के वैदिक काल के दौरान पशु बलि, कई समारोहों और निरर्थक प्रथाओं के रूप में अंध संस्कारों में खो गई थी।

40. मध्य भारत के मालवा क्षेत्र में अवंती को विंध्य द्वारा उत्तरी और दक्षिणी भाग में विभाजित किया गया था। इस साम्राज्य की दो महत्वपूर्ण राजधानियाँ महिष्मती (आधुनिक महेश्वर से पहचानी गई) और उज्जयिनी (आधुनिक उज्जैन के पास) थीं। प्रद्योत अवन्ति का एक प्रसिद्ध राजा था।

41. बौद्ध धर्मग्रंथ अंगुतार निकाय में 16 महाजनपदों का वर्णन है। उनमें से अधिकांश भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी या मध्य भाग में विकसित हुए। उनमें से, अश्मक या अस्सका दक्षिणापथ में विंध्य पर्वतमाला के दक्षिण में पाया जाने वाला एकमात्र महाजनपद था। यह वर्तमान तेलंगाना और महाराष्ट्र में गोदावरी के तट पर स्थित था।

42. वज्जि महाजनपद 8 गणतांत्रिक कुलों का एक संघ था। वज्जि (वृज्जि) की रियासत पूर्वी भारत में, गंगा के उत्तर में, नेपाल की पहाड़ियों तक फैली हुई थी। इतिहासकार वज्जि को आठ कुलों का संघ मानते हैं। यह बुद्धघोष की सुमंगला विलासिनी के एक संदर्भ पर आधारित है।

43. चिनाब नदी, जिसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है, सिंधु नदी की एक सहायक नदी है। वैदिक काल में इसे आसकिनी कहा जाता था। यह हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, और पंजाब, पाकिस्तान से होकर बहती है, और इसका जल सिंधु जल संधि के अनुसार भारत और पाकिस्तान द्वारा साझा किया जाता है।

44. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में अवंती, चेदि, वत्स, मगध और अंग शक्तिशाली राज्य थे। अवंती उज्जैन जिले में, चेदि आधुनिक बुंदेलचंद के पूर्वी भागों में, वत्स कौशांबी में, मगध पटना और गया के आसपास, और अंगा भागलपुर और मोंगहियर में स्थित था। शिशुपाल कृष्ण का प्रसिद्ध शत्रु था और उसने चेदि पर शासन किया था। मगध सोन और गंगा नदियों द्वारा संरक्षित था और इसकी राजधानी गिरिव्रज या राजगृह थी। अंग मगध के पूर्व और राजमहल पहाड़ियों के पश्चिम में स्थित था।

45. धर्मसूत्र, धर्मशास्त्र और मनुस्मृति जैसे प्राचीन ग्रंथों में स्वामित्व के मुद्दों पर चर्चा की गई है। मनुस्मृति में कहा गया है कि पैतृक संपत्ति को माता-पिता की मृत्यु के बाद बेटों के बीच समान रूप से विभाजित किया जाना चाहिए, सबसे बड़े के लिए एक विशेष हिस्सा। महिलाओं को विवाह के दौरान प्राप्त उपहारों को स्त्रीधन के रूप में रखने की अनुमति थी, जो पति के दावे के बिना उनके बच्चों को विरासत में मिल सकते थे।

46. ऋग्वैदिक काल में देवताओं की पूजा का मुख्य तरीका बलिदान था, लेकिन 'मृधर-वाच' का भी उल्लेख मिलता है, जिसका अर्थ है 'जो बलिदान नहीं करता है'। यह उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो उस समय के अधिकांश लोगों के विपरीत, बलिदान नहीं करता है। इसलिए, सही उत्तर विकल्प 2 है।

47. बाली वह कर था जो वैदिक काल में वसूल किया जाता था। यह कर आमतौर पर कृषि उपज के एक हिस्से के रूप में या विजित क्षेत्रों से श्रद्धांजलि के रूप में एकत्र किया जाता था। एकत्रित राजस्व का उपयोग राजा के प्रशासन और उसके दरबार को समर्थन देने के लिए किया जाता था।

48. ऋग्वेद हिंदू धर्म के सर्वाधिक प्राचीन पवित्र ग्रंथों में से एक है, जो प्राचीन संस्कृत भाषा में रचा गया है। इसमें विभिन्न देवताओं और नदियों, पहाड़ों और जंगलों जैसे प्राकृतिक तत्वों को समर्पित स्तोत्र और प्रार्थनाएँ शामिल हैं। ऋग्वेद में वर्णित नदियों में, गंगा एकमात्र ऐसी नदी है जिसका नाम केवल एक बार, 10वीं पुस्तक, सूक्त 75, श्लोक 5 में दिया गया है।

49.

महाजनपद	राजधानी
कौशल	श्रावस्ती
कुरु	इंद्रप्रस्थ/हस्तिनापुर
वज्जि	वैशाली
गांधार	तक्षशिला

50. "ऋग्वेद को पाठ करने और सुनने के बजाय पढ़ा जाता था।" यह गलत है। क्योंकि ऋग्वेद को मुख्य रूप से पाठन और श्रवण के तरिकों से संचारित किया गया था, भारतीय संस्कृति में इसे एक श्रुति परंपरा कहा जाता है। ऋग्वेद में अनेक मंत्र संवाद के रूप में होते हैं और अक्सर उन्हें बड़े ईज्जत से और एक की पूजा करते हुए पाठित किया जाता है।

51. "पुरंदर" शब्द संस्कृत से लिया गया है, जहाँ "पुरा" का अर्थ है 'शहर' या 'किला' और "दारा" का अर्थ है 'फाड़ने वाला' या 'विध्वंसक'। इसलिए, "पुरंदरा" का अनुवाद "किलों के विनाशक" के रूप में किया जाता है।

52. अधिकांश उपनिषद विचारक पुरुष विशेषकर ब्राह्मण और राजा थे। कभी-कभी, गार्गी जैसी महिला विचारकों का उल्लेख मिलता है, जो अपनी शिक्षा के लिए प्रसिद्ध थीं और शाही दरबारों में होने वाले वाद-विवादों में भाग लेती थीं।

53. अवंति एक प्राचीन भारतीय महाजनपद (वृहद क्षेत्र) था, जो वर्तमान में मालवा क्षेत्र से संबंधित था। बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय के अनुसार, अवंति छठी शताब्दी ईसा पूर्व के सोलसा महाजनपद (सोलह वृहद क्षेत्र) में से एक था।

54. पाटलिपुत्र शहर की स्थापना उदयिन ने दो नदियों, सोन और गंगा के संगम पर की थी। साम्राज्य में पाटलिपुत्र के महत्वपूर्ण स्थान के कारण, उसने अपनी राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र में स्थानांतरित कर दी थी। पाली भाषा में इसे राजगृह नाम दिया गया था।

55. जीवक राजा बिम्बिसार के दरबार के प्रसिद्ध चिकित्सक का नाम था जो भगवान बुद्ध का निजी चिकित्सक था। वह 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में राजगृह, वर्तमान राजगीर में रहते थे। जीवक को कभी-कभी "चिकित्सा राजा" भी कहा जाता था।

बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म

56. संस्कृत में "महायान" का अर्थ महान वाहन है। महायान प्राचीन भारत में विकसित बौद्ध परंपराओं, ग्रंथों, दर्शन और प्रथाओं के एक व्यापक समूह के लिए एक शब्द है। इसे बौद्ध धर्म की तीन मुख्य मौजूदा शाखाओं में से एक माना जाता है, अन्य थेरवाद और वज्रयान हैं।

57. बौद्ध परंपरा में, चन्ना बुद्ध बनने से पहले राजकुमार सिद्धार्थ गौतम के सारथी और साथी थे। जब सिद्धार्थ ने अपने राजसी जीवन को त्यागने का फैसला किया, तो चन्ना कंथक नामक घोड़े पर उनके साथ महल से बाहर निकले थे।

58. सही उत्तर वैशाली है। संघ में नियुक्त होने वाली पहली महिला महाप्रजापति गौतमी थीं, जो गौतम बुद्ध की मौसी थीं। यह पहला बौद्ध स्थल था जहां महिलाओं को पहली बार संघ में नियुक्त किया गया था।

59. महावीर की शिक्षाओं को 12 खंडों में संकलित किया गया था जिन्हें अंग कहा जाता है। ये शिक्षाएँ नैतिक, नैतिक और दार्शनिक आयामों सहित जीवन के हर पहलू पर व्यापक निर्देश हैं। इन शिक्षाओं को लिखने के लिए प्राकृत भाषा का उपयोग किया गया था क्योंकि यह महावीर के समय में भारत में आम भाषा थी, जिसने शिक्षाओं को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ बना दिया था।

60. "जैन" शब्द संस्कृत शब्द "जिन" से लिया गया है जिसका अर्थ है इंद्रियों को जीतने वाला। वर्धमान महावीर जैनों के अंतिम और 24वें तीर्थंकर थे।

61. महावीर गौतम बुद्ध के समकालीन थे। महावीर और गौतम बुद्ध दोनों ने एक ही समय में अपनी शिक्षाओं का प्रचार किया, इसलिए उन्हें एक दूसरे के समकालीन माना जाता है। सिद्धार्थ गौतम का जन्म 563 ईसा पूर्व लुंबिनी, शाक्य गणराज्य (वर्तमान नेपाल) (बौद्ध परंपरा के अनुसार) में हुआ था। महावीर का जन्म राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहाँ शाही क्षत्रिय परिवार में हुआ था। महावीर का जन्म 540 ईसा पूर्व में हुआ था।

62. केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, जिसे पहले बौद्ध दर्शन विद्यालय के नाम से जाना जाता था, लद्दाख के लेह शहर में स्थित है, जो संस्कृति मंत्रालय के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय है।

63. बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था और इस कृत्य को धम्मचक्कप्पवत्तन कहा जाता है। बुद्ध ने उपदेशक बनने के लिए 29 वर्ष की आयु में गृह त्याग दिया था।

64. जैन धर्म के पांच सिद्धांतों में अहिंसा सबसे मौलिक है। "अहिंसा परमो धर्म" भगवान महावीर ने कहा था। जैन धर्म के अन्य सिद्धांत हैं: सत्य का पालन (सत्य), चोरी न करना (अस्तेय), ब्रह्मचर्य का पालन (ब्रह्मचर्य), संग्रह न करना (अपरिग्रह)

65. जैन धर्म में शिक्षा का अंतिम लक्ष्य 'मुक्ति' है क्योंकि उनकी शिक्षाओं में इस पर प्राथमिक जोर दिया गया है: जन्म और मृत्यु की श्रृंखला से मुक्ति या मोक्ष की प्राप्ति, यह शिक्षा देना कि मोक्ष या मोक्ष इसे सीखने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

66. 'हर्मिका', एक बालकनी जैसी संरचना जो भगवान के निवास का प्रतिनिधित्व करती थी, बौद्ध वास्तुकला का हिस्सा थी। हर्मिका एक वर्गाकार रेलिंग या बाड़ से प्रेरित है जो गंदगी के टीले को घेरे हुए है, जो इसे एक पवित्र दफन स्थल के रूप में चिह्नित करती है।

67. प्रदक्षिणा-पथ स्तूप के चारों ओर का वृत्ताकार पथ है। यह रेलिंग से घिरा हुआ था। पथ का प्रवेश द्वारों से होता था। भक्ति के प्रतीक के रूप में, भक्त स्तूप के चारों ओर दक्षिणावर्त दिशा में परिक्रमा करते थे।

68. सही उत्तर भिक्खुनी है। थेरीगाथा को खुद्दक निकाय के भाग के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो सुत्त पिटक में लघु पुस्तकों का संग्रह है। थेरवाद बौद्ध धर्म में थेरीगाथा "महिलाओं के आध्यात्मिक अनुभवों को दर्शाने वाला सबसे प्राचीन मौजूदा ग्रंथ" है।

69. बुद्ध शाक्य गण से सम्बन्धित थे, जो वर्तमान नेपाल में हिमालय की तलहटी में स्थित एक छोटा गणराज्य था। शाक्य गण पर बुजुर्गों की एक परिषद का शासन था जिसे गण परिषद के नाम से जाना जाता था और यह वैदिक परंपराओं और अनुष्ठानों के पालन के लिए जाना जाता था।

70. बुद्ध की आस्था प्रणाली को अज्ञेयवादी के रूप में वर्णित किया गया है। उन्होंने देवताओं या किसी रचयिता के अस्तित्व से इनकार नहीं किया, लेकिन उन्होंने यह भी निश्चित रूप से जानने का दावा नहीं किया कि उनका अस्तित्व था या नहीं। उन्होंने व्यक्तिगत अनुभव पर जोर दिया और हठधर्मिता और अंध विश्वास को खारिज कर दिया। शून्यता की बौद्ध अवधारणा इस अज्ञेयवाद को दर्शाती है, क्योंकि यह हर चीज़ को निरंतर परिवर्तनशील और बिना किसी स्थायी आत्म या पदार्थ के अन्योन्याश्रित के रूप में देखती है। बुद्ध की शिक्षाएँ परंपरा या अधिकार का आँख बंद करके अनुसरण करने के बजाय स्वयं के लिए शिक्षाओं का परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं कि क्या वे अधिक ज्ञान और करुणा की ओर ले जाती हैं।

71. उपासकदशः एक ग्रंथ है जो जैन धर्म से संबंधित है। जैन परंपरा के अनुसार, महावीर से पहले 23 अन्य शिक्षक या तीर्थंकर हुए थे - वस्तुतः, वे जो पुरुषों और महिलाओं को अस्तित्व की नदी के पार मार्गदर्शन करते हैं। जैन धर्म में सबसे महत्वपूर्ण विचार यह है कि पूरी दुनिया सजीव है: यहां तक कि पत्थरों, चट्टानों और जल में भी जीवन है।

72. प्राचीन भारत में, "थेरी" शब्द बौद्ध धर्म में सम्मानित महिलाओं को संदर्भित करता है। प्रारंभ में, केवल पुरुषों को संघ में प्रवेश की अनुमति थी, लेकिन बाद में महिलाओं को भी प्रवेश दिया जाने लगा। बौद्ध ग्रंथों के अनुसार, यह बुद्ध के सबसे प्रिय शिष्यों में से एक, आनंद की मध्यस्थता के माध्यम से संभव हुआ, जिन्होंने उन्हें महिलाओं को संघ में अनुमति देने के लिए राजी किया था।

73. तथागत एक पाली शब्द है; पाली कैनन में स्वयं या अन्य बुद्धों का जिक्र करते समय गौतम बुद्ध इसका उपयोग करते हैं। बुद्ध को पाली कैनन में कई अवसरों पर सर्वनामों का उपयोग करने के बजाय तथागत के रूप में संदर्भित करते हुए उद्धृत किया गया है। पेंटिंग आम तौर पर बौद्ध धर्म - तथागत बुद्ध के जीवन और जातक कहानियों - पर आधारित होती हैं। चित्रों की रूपरेखा लाल रंग से बनाई गई थी। चित्रों में नीले रंग की अनुपस्थिति एक प्रमुख विशेषता है।

74. 12वें तीर्थंकर वासुपूज्य ने मंदार पर्वत पर निर्वाण प्राप्त किया था। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान वासुपूज्य को निर्वाण प्राप्त हुआ। इस पहाड़ी की चोटी पर वसुपूज्य के सम्मान में बना एक जैन मंदिर भी है।

75. अशोक सबसे प्रसिद्ध मौर्य शासकों में से एक थे जिन्होंने 268 से 232 ईसा पूर्व तक शासन किया था। उन्हें बौद्ध धर्म अपनाने और अपने साम्राज्य में इस धर्म को फैलाने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। 261 ईसा पूर्व में कलिंग में एक क्रूर युद्ध के बाद, उन्होंने जो हिंसा और रक्तपात देखा था, उससे उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने आंतरिक शांति पाने और अहिंसा और करुणा को बढ़ावा देने के लिए बौद्ध धर्म की ओर रुख किया था।

76. तीस वर्ष की आयु में, वर्धमान महावीर एक तपस्वी बन गए और बारह वर्षों तक घूमते रहे। अपनी तपस्या के 13वें वर्ष में, उन्हें केवलय ज्ञान नामक सर्वोच्च आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

77. महावीर का जन्म राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहाँ हुआ था। महावीर का जन्म 540 ईसा पूर्व में हुआ था। महावीर इक्ष्वाकु वंश से थे। वैशाली के निकट कुंडग्राम को महावीर का जन्मस्थान माना जाता है।

78. ऐतिहासिक घटनाओं के अनुसार, बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में लुम्बिनी में एक कुलीन परिवार में हुआ था, जबकि बौद्ध परंपरा में उनका जन्म 624 ईसा पूर्व माना जाता है। अपने प्रारंभिक वर्षों में, उन्हें सिद्धार्थ के नाम से जाना जाता था।

79. जैन धर्म के अनुसार निर्वाण या मोक्ष सम्यक् दृष्टि, सम्यक् ज्ञान और सम्यक् आचरण पर निर्भर करता है। जैन धर्म एक प्राचीन भारतीय धर्म है जो सभी जीवित प्राणियों को अनुशासित अहिंसा के माध्यम से मुक्ति का मार्ग और आध्यात्मिक शुद्धता और ज्ञान का मार्ग सिखाता है।

80. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना पाँचवीं शताब्दी में हुई थी और तेरहवीं शताब्दी में इसे बंद कर दिया गया। प्राचीन भारतीय साम्राज्य मगध में, जिसे अब बिहार कहा जाता है, नालंदा विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र के रूप में कार्य करता था। गुप्त वंश के राजा कुमारगुप्त प्रथम ने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।

81. आलार कलामा गौतम बुद्ध के प्रथम गुरु थे। आलार कलामा चाहते थे कि सिद्धार्थ (बुद्ध) उनके शिक्षण वंश के प्रमुख के रूप में उनके उत्तराधिकारी बनें। उन्होंने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया और जागृति की अपनी खोज जारी रखी। उनके अगले शिक्षक उद्रका रामपुत्र थे।

82. रणकपुर तीर्थंकर आदिनाथ को समर्पित अपने जैन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। रणकपुर राजस्थान के पाली जिले में सदरी शहर के पास देसूरी तहसील में स्थित एक गाँव है।

83. बुद्ध पूर्णिमा हिंदू कैलेंडर के अनुसार वैशाख की पूर्णिमा के दिन आती है। वैशाख हिंदू कैलेंडर का दूसरा महीना है और ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार अप्रैल-मई में आता है।

84. कंग्युर और तेंग्यूर बौद्ध साहित्य हैं। "कंग्युर" का अर्थ "(बुद्ध के) अनुवादित शब्द" है। यह बौद्धवचन या "बुद्ध-शब्द" माने जाने वाले ग्रंथों का संपूर्ण संग्रह है, जिसका तिब्बती में अनुवाद किया गया है।

85. प्रारंभिक मध्यकाल में नागपट्टनम जैन धर्म का केंद्र नहीं था। नागापट्टिनम, तमिलनाडु का एक शहर है जो मध्यकालीन चोल काल के दौरान वाणिज्य और नौसैन्य अभियानों के लिए एक बंदरगाह के रूप में महत्वपूर्ण था।

86.

- कनिष्क ने कश्मीर में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन 72AD में कश्मीर के कुंडलवन में किया गया था।
- इसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की और अश्वघोष ने इसकी प्रतिनियुक्ति की।
- चौथी बौद्ध परिषद ने कश्मीर और गांधार के सर्वस्थिवाद शिक्षकों के बीच गंभीर संघर्ष से पूरा हुआ।
  - सर्वस्थिवाड़ा अशोक के शासनकाल के दौरान स्थापित प्रारंभिक बौद्ध स्कूलों में से एक था।
- इस परिषद के बाद बौद्ध धर्म दो संप्रदायों अर्थात् हीनयान और महायान में विभाजित हो गया था।

87. विनय पिटक बौद्ध विहित टिपिटक ("तीन संग्रह") के तीन खंडों में सबसे प्राचीन और सबसे छोटा है और यह बुद्ध से संबंधित नियमों के अनुसार मठवासी जीवन और भिक्षुओं और योगिनों के दैनिक मामलों को नियंत्रित करता है।

88. जातक कथाओं में गौतम बुद्ध से संबंधित कहानियों को मानव और पशु दोनों रूपों में दर्शाया गया है। जातक गौतम बुद्ध के पूर्व जन्म के जीवन के बारे में कहानियों का एक संग्रह है।

89. महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। भगवान महावीर का मूल नाम वर्धमान है। उनका जन्म 599 ईसा पूर्व में बिहार में वैशाली के पास कुंडग्राम में हुआ था। वर्धमान लिच्छवियों के क्षत्रिय राजकुमार थे। महावीर और उनके अनुयायियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा प्राकृत भाषा थी।

90. बुद्ध का पहला उपदेश सारनाथ में उनके पांच शिष्यों को दिया गया था और इसे धर्मचक्र प्रवर्तन के रूप में जाना जाता है। उन्होंने इस उपदेश में बौद्ध धर्म की मूलभूत शिक्षा, चार आर्य सत्यों का परिचय दिया। गांधार में बैठे हुए बुद्ध को धर्मचक्र मुद्रा में धर्म चक्र को गति देते हुए दर्शाया गया है। इस घटना को धर्म चक्र की स्थापना के नाम से भी जाना जाता है।

91. दूसरी बौद्ध संगीति राजा कालाशोक के संरक्षण में वैशाली में आयोजित की गई थी और इसकी अध्यक्षता सबाकामी ने की थी। इसमें इस बात पर चर्चा हुई कि क्या भिक्षु धन रख सकते हैं। स्टावरोस ने संघ में पहली फूट पैदा की, जिससे दूसरी परिषद कालाशोक की शुरुआत हुई थी।

92. अजमेर में सोनीजी की नसिया मंदिर एक जैन मंदिर है, जो भगवान ऋषभदेव को समर्पित है, जिसके मुख्य कक्ष को 'स्वर्ण नगरी' कहा जाता है, जिसमें जैन धर्म को दर्शाने वाली सोने से संरक्षित लकड़ी की कलाकृतियाँ हैं। इस कमरे में अयोध्या के चित्रण में 1000 किलोग्राम सोने का उपयोग किया गया है।

93. अभिधम्म पिटक, विनय पिटक और सुत्त पिटक तीन पिटक हैं। इसकी रचना अशोक के शासन काल में पाटलिपुत्र में आयोजित तृतीय बुद्ध संगीति के दौरान की गई है। इसकी रचना मोगलीपुत्रतिसा ने की है

94. चार आर्य सत्य हैं: संसार में दुःख है (दुःख), दुःख के कारण का सत्य (समुदय), दुःख निरोध का सत्य (निरोध), दुख के अन्त का मार्ग का सत्य (मार्ग), अष्टांगिक मार्ग है - सम्यक् दृष्टि, सम्यक् समझ, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वचन, सम्यक् कर्म , सम्यक् आजीविका, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति, सम्यक् समाधि या सम्यक् चिंतन

95. संस्कृत में त्रिरत्न का अर्थ है 'तीन रत्न'। बुद्ध, धम्म (धर्म): उनकी शिक्षा, और संघ: उन सभी का समुदाय जो उनकी शिक्षाओं का पालन करते हैं।

96. शाक्य की रानी माया देवी गौतम बुद्ध की जन्मदात्री थीं, जिनकी शिक्षाओं पर बौद्ध धर्म की स्थापना हुई थी। साल वृक्ष के नीचे रानी मायादेवी ने गौतम बुद्ध को जन्म दिया था।

97. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारत में जैन और बौद्ध धर्म के उदय से धार्मिक अशांति देखी गई। गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे और उनका जन्म 563 ईसा पूर्व में हुआ था, जबकि जैन धर्म की स्थापना ऋषभनाथ ने की थी। जैन परंपरा के अनुसार, 24 तीर्थंकर थे, पहले ऋषभदेव/आदिनाथ और अंतिम महावीर थे।

98. यदि इच्छाओं का निवारण न किया जाए तो दुख से बचा जा सकता है, यह भगवान बुद्ध के चार आर्य सत्यों में से नहीं है। चार आर्य सत्यों में बुद्ध की शिक्षाओं का सार समाहित है, हालाँकि वे बहुत कुछ अस्पष्ट छोड़ देते हैं।

99. त्रिपिटक बौद्ध धर्म की पवित्र पुस्तक है, जिसमें तीन पिटक शामिल हैं। पारसी धर्म द्वैतवादी ब्रह्मांड विज्ञान वाला एक ईरानी धर्म है, जबकि जैन धर्म एक भारतीय धर्म है। बुद्ध की शिक्षाएँ त्रिपिटक में लिखित रूप में संरक्षित हैं।

100. सम्यक नियंत्रण बौद्ध धर्म के महान अष्टांगिक मार्ग में शामिल नहीं है। अष्टांगिक मार्ग का विचार बौद्ध धर्म के संस्थापक सिद्धार्थ गौतम, जिन्हें बुद्ध कहा जाता है, के प्राथमिक उपदेश में प्रकट होता है, जिसे उन्होंने अपने ज्ञानोदय के बाद दिया था।

101. जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ऋषभनाथ को अक्सर उनके प्रतीक के रूप में एक वृषभ के साथ चित्रित किया जाता है, जो शक्ति, स्थिरता और धर्म का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरी ओर, 24वें और अंतिम तीर्थंकर, महावीर का प्रतीक सिंह है, जो बहादुरी, निडरता और साहस का प्रतीक है। ये दोनों प्रतीक जैन धर्म में महत्वपूर्ण माने जाते हैं और अक्सर जैन कला और साहित्य में उपयोग किए जाते हैं।

102. चंद्रगुप्त मौर्य के शासन के अंत में, दक्षिण बिहार में भयानक अकाल पड़ा था। भद्रबाहु और उनके शिष्य कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में चले गए। वे अविभाजित जैन संघ के अंतिम आचार्य थे। उनके बाद, संघ भिक्षुओं के दो अलग-अलग शिक्षक-छात्र वंशों में विभाजित हो गया था।

103. उवसग्गहरं स्तोत्र की रचना 2,100 साल पहले एक बहुत शक्तिशाली जैन भिक्षु श्री भद्रबाहु स्वामी ने की थी। भद्रबाहु स्वामी ने 23वें जैन तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ को सम्मान देने और सभी उपसर्गों को लुप्त करने में उनकी मदद मांगने के लिए "उवसग्गहरं" लिखा था।

104. जैन धर्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्रमुखता से उभरा, जब भगवान महावीर ने इस धर्म का प्रचार किया। 24 महान शिक्षक थे, जिनमें से अंतिम भगवान महावीर थे। इन चौबीस शिक्षकों को तीर्थंकर कहा जाता था - जिन्होंने जीवित रहते हुए सभी ज्ञान (मोक्ष) प्राप्त किया था और लोगों को इसका उपदेश दिया था। प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ थे।

105. 'जीवक चिंतामणि' जैन धर्म से सम्बंधित है। यह एक संस्कृत पाठ है जो चिकित्सा पर केंद्रित है और 8वीं शताब्दी ईस्वी में एक अज्ञात लेखक द्वारा लिखा गया था। इस पाठ का नाम जीवक के नाम पर रखा गया है, जो एक चिकित्सक थे जो बुद्ध के समकालीन थे और जैन चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति माने जाते हैं।

106. विसुद्धिमग्ग थेरवाद बौद्ध धर्म का "महान ग्रंथ" है। यह सिद्धांत और ध्यान का एक व्यापक नियमावली है जो महान बौद्ध टिप्पणीकार, बुद्धघोष द्वारा पाँचवीं शताब्दी में पाली में लिखा गया था।

107. मिलिंद पन्ह बौद्ध सिद्धांत पर एक जीवंत संवाद था, जिसमें राजा मिलिन्द - यानी, ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के अंत में एक बड़े इंडो-ग्रीक साम्राज्य के यूनानी शासक, मिनांडर - द्वारा उठाए गए सवालों और दुविधाओं के साथ एक वरिष्ठ भिक्षु नागसेन द्वारा उत्तर दिया गया था।

108. बौद्ध साहित्य के अनुसार भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के 100 वर्ष बाद वैशाली में द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन कालाशोक ने अपने शासनकाल के दसवें वर्ष में किया था। राजा कालाशोक के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, बौद्धों के बीच मतभेद बने रहे।

109. 12वें तीर्थंकर वासुपूज्य ने मंदार पर्वत पर निर्वाण प्राप्त किया था। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान वासुपूज्य को निर्वाण प्राप्त हुआ।

110. वर्धमान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। वह पार्श्वनाथ के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी रहे हैं, जो 23वें तीर्थंकर थे। जैन धर्म में तीर्थंकर को आध्यात्मिक गुरु और धर्म (धार्मिक मार्ग) का रक्षक माना जाता है। अपने माता-पिता के निर्देशों का पालन करते हुए, उन्होंने बहुत कम उम्र में राजकुमारी यशोदा से शादी की और दंपति की एक बेटी, प्रियदर्शना थी।

111. 540 ईसा पूर्व में इक्ष्वाकु वंश के राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के घर वर्धमान महावीर का जन्म हुआ, जो जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे और उन्होंने जैन धर्म का प्रचार करने के लिए पूरे भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा की थी। उन्होंने बहुत कम उम्र में राजकुमारी यशोदा से शादी की और दोनों की एक बेटी प्रियदर्शना थी। प्रियदर्शना ने जमाली से विवाह किया था।

112. प्रथम बौद्ध संगीति राजगृह की सप्तपर्णी गुफा में आयोजित की गई थी। अजातशत्रु ने प्रथम बौद्ध परिषद को संरक्षण दिया और उसके शासनकाल के दौरान बुद्ध की मृत्यु हो गई थी।

113. उब्बीरी एक बौद्ध मठवासिनी थी। उब्बीरी श्रावस्ती की एक महिला थीं, जिन्होंने एक उपासिका, यानी आम महिला के रूप में निब्बान (ज्ञान) प्राप्त किया था। उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ बुद्ध के साथ एक मुलाकात थी। वह मुलाकात तब हुई जब वह अपनी बेटी जीवा की मौत का शोक मना रही थीं।

114. पहली जैन संगीति 300 ईसा पूर्व में चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के दौरान पाटलिपुत्र में हुई थी। यह बैठक स्थूलभद्र की अध्यक्षता में हुई। प्रथम जैन संगीति में जैन धर्म को दिगंबर और श्वेतांबर दो भागों में विभाजित किया गया था।

मौर्य एवं मौर्योत्तर साम्राज्य

115. भारत में अशोक के शिलालेख का सबसे पहला गूढ़ अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखा गया था। अशोक पहला शासक था जिसने शिलालेखों के माध्यम से अपना संदेश लोगों तक पहुँचाने का प्रयास किया। अशोक के अधिकांश शिलालेख प्राकृत और ब्राह्मी लिपि में लिखे गए थे।

116. सांची स्तूप भोपाल शहर के निकट स्थित है। यह एक बौद्ध परिसर है, जो मध्यप्रदेश राज्य के रायसेन जिले के सांची शहर में एक पहाड़ी की चोटी पर अपने महान स्तूप के लिए प्रसिद्ध है। यह भारत की सबसे प्राचीन पत्थर संरचनाओं में से एक है और इसे मूल रूप से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया था।

117. अशोक मौर्य वंश के थे। मौर्य वंश और अशोक के बारे में हमें मेगस्थनीज के अर्थशास्त्र और इंडिका से पता चलता है। प्रियदस्सी नाम अशोक का है। उन्होंने पूरे एशिया में बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार किया। उनके शासनकाल के समय, राजवंश की राजधानी पाटलिपुत्र में थी और प्रांतीय राजधानियाँ तक्षशिला और उज्जैन में थीं।

118. तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और आठवीं शताब्दी ईस्वी के बीच, प्राकृत के नाम से जानी जाने वाली मध्य इंडो-आर्यन बोलियों की एक श्रृंखला भारतीय उपमहाद्वीप पर बोली जाती थी। जबकि उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में अरामी और ग्रीक में लिखा गया था, अशोक के अधिकांश शिलालेखों के लिए प्राकृत भाषा का उपयोग किया गया था। अफ़ग़ानिस्तान में शिलालेखों में अरामी और यूनानी लिपियाँ प्रयुक्त थीं।

119. चन्द्रगुप्त मौर्य राजा अशोक के दादा थे। उन्होंने मौर्य वंश की स्थापना की और मगध में अपनी राजधानी बनाकर 324 ईसा पूर्व से 293 ईसा पूर्व तक शासन किया था।

120. अशोक मौर्य सम्राट थे जिन्होंने 272/268-231 ईसा पूर्व के अपने शासनकाल के दौरान चट्टानों और स्तंभों पर अपने शिलालेख खुदवाए थे। वह पहला शासक था जिसने अपने संदेशों को पत्थर की सतहों पर प्राकृत और ब्राह्मी लिपि में अंकित कराया।

121. गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित गिरनार सही विकल्प है क्योंकि इसमें अशोक के चौदह प्रमुख शिलालेख स्थित हैं। कालसी, शिशुपालगढ़ और सन्नती क्रमशः उत्तराखंड, ओडिशा और कर्नाटक में स्थित हैं।

122. मौर्य शासनकाल के दौरान सुवर्णगिरि को कर्नाटक में सोने की खान का केंद्र माना जाता था। यह साम्राज्य के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत था।

123. राजगीर, जिसे राजगृह के नाम से भी जाना जाता है, पाटलिपुत्र में स्थानांतरित होने से पहले कई वर्षों तक मगध की राजधानी थी। राजगीर पहाड़ियाँ भारत के बिहार राज्य के मध्य क्षेत्र में राजगीर शहर के पास स्थित हैं।

124. यूनानी इतिहासकार, राजनयिक और खोजकर्ता मेगस्थनीज हेलेनिस्टिक युग (350-290 ईसा पूर्व) में रहते थे। उन्हें पश्चिम एशिया के यूनानी विजेता सेल्यूकस प्रथम निकेटर द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में राजदूत के रूप में भेजा गया था।

125. राजा अशोक बिंदुसार के पुत्र थे, जो मौर्य वंश के थे। बिन्दुसार भारत के दूसरे मौर्य सम्राट थे। बिन्दुसार मौर्य वंश के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य के पुत्र थे।

126. मौर्य काल के साहित्यिक स्रोतों में कौटिल्य का अर्थशास्त्र, विशाखदत्त का मुद्राराक्षस, मेगस्थनीज का इंडिका, बौद्ध साहित्य और पुराण शामिल हैं।

127. सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म के आदर्शों का प्रचार किया। उन्होंने दूर-दराज के स्थानों पर मिशनरियों को भेजा ताकि लोग भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से अपने जीवन को प्रेरित कर सकें। इन मिशनरियों में उनके पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा भी शामिल थे।

128. तक्षशिला और उज्जैन दोनों अशोक के शासन में प्रांतीय राजधानियाँ थीं। तक्षशिला गांधार प्रांत की राजधानी थी और उज्जैन अवंती प्रांत की राजधानी थी।

129. सही उत्तर II, I, III है। कलिंग युद्ध 261 ईसा पूर्व में लड़ा गया था। बिन्दुसार शासन के तहत उन्होंने 16 और भारतीय राज्यों को अपने शासन में लाया और इस प्रकार मौर्य साम्राज्य लगभग पूरे भारतीय प्रायद्वीप तक फैल गया था। उनका जन्म 320 ईसा पूर्व में हुआ था और उन्होंने 298 ईसा पूर्व से 272 ईसा पूर्व तक शासन किया था। शुंग वंश प्राचीन भारत का एक ब्राह्मण राजवंश था, जिसने मौर्य वंश के बाद शासन किया। उन्होंने उत्तर भारत में 185 ईसा पूर्व से 73 ईसा पूर्व तक शासन किया यानी 112 वर्षों तक शासन किया।

130. मुद्राराक्षस वर्णन करता है कि कैसे चंद्रगुप्त मौर्य को नंदों को उखाड़ फेंकने के लिए चाणक्य की सहायता मिली थी। यह विशाखदत्त द्वारा लिखित संस्कृत भाषा का नाटक है जो भारत में राजा चंद्रगुप्त मौर्य के सत्ता में आने का वर्णन करता है। यह उस समय की प्रचलित सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का भी उत्कृष्ट विवरण देता है।

131. पुष्यमित्र ने अंतिम मौर्य सम्राट की हत्या करके शुंग वंश की स्थापना की थी। इस राजवंश ने लगभग 185 ईसा पूर्व से 73 ईसा पूर्व तक उत्तर भारत पर शासन किया।

132. मौर्य काल में वंशानुगत सैनिकों को "मौला" कहा जाता था। मौला सैनिकों का एक वर्ग था जिन्हें अपना पेशा अपने पूर्वजों से विरासत में मिला था। उन्हें आम तौर पर हथियारों के इस्तेमाल में प्रशिक्षित किया जाता था और राजा द्वारा बुलाए जाने पर उनसे सैन्य सेवा प्रदान करने की अपेक्षा की जाती थी।

133. लघु शिलालेख सम्राट अशोक के भारतीय भाषा के पहले शिलालेख हैं और एर्रागुडी शिलालेख तीसरी शताब्दी में अंकित किया गया था और प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लिखा गया था। इस स्थल को येर्रागुडी स्थल या सुवर्णगिरि स्थल कहा जाता है और यह आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में स्थित है।

134. शुंग वंश: इसकी स्थापना पुष्यमित्र ने की थी। शुंग शासकों की संख्या दस थी। इनकी राजधानी पाटलिपुत्र थी। पुष्यमित्र अंतिम मौर्य सम्राट वृहद्रथ का सेनापति था।

135. कुषाण शासकों ने देवपुत्र, या "भगवान का पुत्र" की उपाधि अपनाई, जो संभवतः चीनी शासकों से प्रेरित थी जो खुद को स्वर्ग का पुत्र कहते थे। उनके इतिहास का पुनर्निर्माण शिलालेखों और पाठ्य परंपराओं से किया गया है। राजसत्ता की जो धारणाएँ वे प्रदर्शित करना चाहते थे, वे संभवतः उनके सिक्कों और मूर्तिकला में सबसे अच्छी तरह से प्रमाणित हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह इंगित करता है कि कुषाण खुद को देवतुल्य मानते थे।

136. समाहर्ता राज्य के विभिन्न हिस्सों या प्रांतों से राजस्व के मूल्यांकन और संग्रह का प्रभारी अधिकारी था। वह अक्षपटलाध्यक्ष (महालेखाकार) के कार्यों का पर्यवेक्षण करके आय और व्यय की देखभाल करता था।

137. 298 ईसा पूर्व में, चंद्रगुप्त मौर्य ने अपना शासन त्याग दिया, अपने बेटे बिन्दुसार को सत्ता सौंप दी और दक्षिण की ओर श्रवणबेलगोला की एक गुफा में चले गए। वहां, उन्होंने पांच सप्ताह तक बिना कुछ खाए-पिए ध्यान किया, जब तक कि उनकी भूख से मृत्यु नहीं हो गई, जिसे सल्लेखना या संथारा के नाम से जाना जाता है।

138. प्राचीन भारत में आक्रमण पहले यूनानियों, फिर शकों और फिर कुषाणों ने किया। भारत पर यूनानी विजय आम युग से पहले के वर्षों में हुई थी, और भारत और यूनान के बीच एक समृद्ध व्यापार फला-फूला, विशेषकर रेशम, मसालों और सोने में।

139. रबातक शिलालेख के अनुसार, विम कडफिसेस सदक्षणा का पुत्र और कनिष्क का पिता था। वह कडफिसेस द्वितीय था, और अपने शासनकाल के दौरान, उसने भारी मात्रा में सोने के सिक्के चलाए और कुषाण साम्राज्य को सिंधु के पूर्व तक विस्तारित किया। उसने अपने साम्राज्य का विस्तार बिहार तक किया था।

140. चंद्रगुप्त मौर्य का सबसे पहला पुरालेखीय संदर्भ रुद्रदमन प्रथम के जूनागढ़ शिलालेख में पाया जाता है। यह शिलालेख 150 ई. में पश्चिमी क्षत्रपों के राजा रुद्रदामन प्रथम द्वारा लिखा गया था। शिलालेख में, रुद्रदमन ने उल्लेख किया है कि उसने सुदर्शन झील पर एक बांध की मरम्मत की थी, जिसे मूल रूप से चंद्रगुप्त मौर्य ने बनवाया था।

141. मौर्य रथों के पताकाएँ सफेद रंग की होती थीं जिन पर मोर की आकृति बनी होती थी। मोर मौर्य साम्राज्य का राजवंशीय प्रतीक था, जो शक्ति और अधिकार का प्रतिनिधित्व करता था। पताका का सफेद रंग पवित्रता और शांति का प्रतीक है। वे रेशम या सनी के बने होते थे, लगभग 3 फीट लंबे और 2 फीट चौड़े, और रथ के मस्तूल के शीर्ष से जुड़े होते थे। वे हवा में लहराते थे, जिससे तेज़ आवाज़ होती थी जिसे दूर से सुना जा सकता था। पताकाएं मौर्य साम्राज्य की शक्ति और प्रतिष्ठा का प्रतीक थीं, जिनका उपयोग दुश्मनों को डराने और साम्राज्य के विषयों के बीच वफादारी को प्रेरित करने के लिए किया जाता था।

142. अशोक के तृतीय प्रमुख शिलालेख में उसके अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे धम्म का प्रसार करें और लोगों को ब्राह्मणों और श्रमणों के प्रति उदार होने के लिए प्रोत्साहित करें। उनका मानना था कि धार्मिक आचरण करने वालों के प्रति उदारता से समाज में सद्भावना और सद्भाव पैदा होता है, जिससे समृद्धि और खुशहाली बढ़ती है। अशोक ने धार्मिक सहिष्णुता और सभी धर्मों के प्रति सम्मान के महत्व पर जोर दिया, और उनका आदेश एक अधिक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण दुनिया बनाने के लिए उदारता की शक्ति में उनके विश्वास का एक मूल्यवान दस्तावेज़ है।

143. यह कथन सही नहीं है कि ब्राह्मण शाकाहार का सख्ती से पालन करते थे और कभी भी नशा नहीं करते थे। हालांकि यह सच है कि ब्राह्मणों से सख्त आचार संहिता का पालन करने की अपेक्षा की गई थी, जिसमें मांस और शराब से परहेज करना शामिल था, लेकिन इस बात के सबूत हैं कि कुछ ब्राह्मण इन नियमों का पालन नहीं करते थे। उदाहरण के लिए, अर्थशास्त्र, जो कि तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र पर लिखा गया एक पाठ है, में उल्लेख किया गया है कि ब्राह्मणों को रसोइया और शराब बनाने वाले के रूप में काम करते हुए पाया जा सकता है, जिसमें मांस और शराब को संभालना दोनों शामिल थे।

144. मिलिंद पन्हो एक बौद्ध ग्रंथ है जिसमें बौद्ध ऋषि नागसेन और इंडो-ग्रीक राजा मिनाण्डर के बीच एक संवाद दर्ज है। यह एक संस्कृत कृति नहीं है, बल्कि एक पाली कृति है, जो एक प्राचीन भारतीय भाषा है जो संस्कृत से निकटता से संबंधित है। हालाँकि इस बात पर बहस चल रही है कि पाठ मूल रूप से संस्कृत या पाली में लिखा गया था, अधिकांश विद्वानों का मानना है कि यह पाली में लिखा गया था, क्योंकि जीवित पाली संस्करण चीनी अनुवाद की तुलना में बहुत अधिक पूर्ण है, और पाठ में पाली शब्दावली का उपयोग सुसंगत है। इसी अवधि के अन्य पाली कार्यों के साथ। मिलिंडा पन्हो को अब बौद्ध धर्म की थेरवाद परंपरा में एक विहित कार्य माना जाता है और इसका सबसे अधिक अध्ययन और पाठ पाली भाषा में किया जाता है।

145. कुषाण साम्राज्य के पतन के बाद पाटलिपुत्र सीथियनों के नियंत्रण में आ गया। पाटलिपुत्र पर सीथियन गवर्नर मुरुनदास का शासन था।

146. शक शासक खानाबदोश लोगों का एक समूह थे जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से चौथी शताब्दी ईस्वी तक मध्य एशिया से भारत के विभिन्न हिस्सों में चले गए थे। रुद्रदामन एक शक शासक था जिसने लगभग 130 से 150 ईस्वी तक पश्चिमी भारतीय क्षेत्र मालवा और गुजरात के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। वह सातवाहन और यौधेय जैसी अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के खिलाफ अपने सैन्य अभियानों के लिए जाना जाता था।

147. शुंग राजवंश की स्थापना पुष्यमित्र शुंग ने 185 ईसा पूर्व में मौर्य राजवंश को उखाड़ कर की थी। पुष्यमित्र शुंग ने 185 ईसा पूर्व से 149 ईसा पूर्व तक लगभग 36 वर्षों तक शासन किया था। शुंग वंश में 10 शासक हुए जिन्होंने कुल मिलाकर 112 वर्षों तक शासन किया था।

148. खारवेल के निधन के बाद शातकर्णी प्रथम ने कलिंग को पराजित किया। हाला ने गाथा सप्तशती की व्यवस्था की। अतः, जोड़ी 2 सही सुमेलित है। इसे प्राकृत में गाहा सत्तासई के नाम से जाना जाता है, यह आमतौर पर विषय के रूप में पसंद किए जाने वाले सॉनेट का एक वर्गीकरण है। गौतमीपुत्र शातकर्णी को सातवाहन परंपरा का सर्वश्रेष्ठ स्वामी माना जाता है।

149. यूनानियों, शकों, पार्थियनों और कुषाणों ने अंततः भारत में अपनी पहचान खो दी। कालान्तर में इनका पूर्णतः भारतीयकरण हो गया। उन्हें द्वितीय श्रेणी का क्षत्रिय माना जाने लगा। कुषाण शासकों ने शिव और बुद्ध दोनों की पूजा की और इन दोनों देवताओं की छवियां कुषाण सिक्कों पर दिखाई दीं। प्राचीन भारतीय इतिहास के किसी अन्य काल में इतने बड़े पैमाने पर विदेशी भारतीय समाज में सम्मिलित नहीं हुए जितने मौर्योत्तर काल में हुए।

150. सांची का महान स्तूप मूल रूप से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाया गया था। यह मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के सांची शहर में स्थित है। महान स्तूप और सांची के अन्य बौद्ध स्मारकों को सामूहिक रूप से 1989 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल नामित किया गया था।

151. अर्थशास्त्र सुझाव देता है कि राजा को जमीनी हकीकत को समझने और प्रशासन के कामकाज की निगरानी के लिए अक्सर भेष बदलकर शहरों और राज्यों का दौरा करना चाहिए। यह मौर्य राजा की दैनिक गतिविधि का हिस्सा नहीं था।

152. अलग-अलग कलिंग अभिलेखों (धौली और जौगड़ा) में, अशोक ने प्रशासन के अपने लोकप्रिय सिद्धांत को भी व्यक्त किया, अर्थात "प्रजा मेरी संतान है। जैसे मैं अपनी संतान के लिए चाहता हूं कि वे सभी इस दुनिया में आनंद और खुशी का आनंद लें, वही मैं अपने सभी प्रजा के लिए भी चाहता हूं"।

153. मौर्य प्रशासन अत्यधिक केंद्रीकृत था और इसमें मंत्रिपरिषद नामक एक मंत्रिपरिषद थी। तीर्थ प्रशासन में सर्वोच्च श्रेणी के अधिकारी थे और प्रशासनिक विभाग थे।

154. मुद्राराक्षस वर्णन करता है कि कैसे चंद्रगुप्त मौर्य को नंदों को उखाड़ फेंकने के लिए चाणक्य की सहायता मिली। यह विशाखदत्त द्वारा लिखित संस्कृत भाषा का नाटक है जो भारत में राजा चंद्रगुप्त मौर्य के सत्ता में आने का वर्णन करता है। यह उस समय की प्रचलित सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का भी उत्कृष्ट विवरण देता है।

155. हर्षचरित के अनुसार, मौर्य सेना के प्रधान सेनापति पुष्यमित्र ने मौर्य राजा बृहद्रथ की हत्या कर दी, जब बृहद्रथ अपने सैनिकों का निरीक्षण कर रहा था। इससे 187 ईसा पूर्व में मौर्य शासन का अंत हो गया और पुष्यमित्र ने सिंहासन पर कब्ज़ा कर लिया। पुष्यमित्र का साम्राज्य मौर्य साम्राज्य के केवल एक भाग तक विस्तारित था।

156. शुंग वंश के अंतिम शासक, देवभूति को उनके मंत्री वासुदेव ने उखाड़ फेंका, जिन्होंने 75 ईसा पूर्व में कण्व राजवंश की स्थापना की थी। कण्व शासक ने शुंग वंश के राजाओं को उनके पूर्व प्रभुत्व के एक कोने में अज्ञात रूप से शासन करना जारी रखने की अनुमति दी थी। कण्व वंश के पहले शासक वासुदेव थे जिनके गोत्र के नाम पर राजवंश का नाम रखा गया था। उनके पुत्र भूमिमित्र उनके उत्तराधिकारी बने। पंचाल क्षेत्र से भूमिमित्र की किंवदंती वाले सिक्के खोजे गए हैं। भूमिमित्र ने चौदह वर्षों तक शासन किया और बाद में उनके पुत्र नारायण ने उनका उत्तराधिकारी बना लिया। नारायण ने बारह वर्षों तक शासन किया। उनके पुत्र सुशर्मन ने उनका उत्तराधिकारी बनाया जो कण्व वंश के अंतिम राजा थे।

157. चीनी रेशम के आयात से देश में रेशम वस्त्र उद्योग को काफी प्रोत्साहन मिला। मथुरा में एक विशेष प्रकार का कपड़ा बनाया जाता था, जिसे शाटक कहा जाता था।

158. भूमि अनुदान को दर्ज करने वाले सबसे पुराने शिलालेख सातवाहनों द्वारा जारी किए गए थे। वे ब्राह्मणों को भूमि अनुदान देने वाले पहले शासक भी थे। सातवाहनों को आंध्र के नाम से भी जाना जाता है। वे दक्कन क्षेत्र में पहली शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत और तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से अस्तित्व में थे। इस प्रकार, सातवाहनों के तहत, भूमि अनुदान पर सबसे प्रारंभिक शिलालेखीय जानकारी प्रदान की जाती है।

159. दूसरे मौर्य सम्राट बिंदुसार को यूनानियों द्वारा 'अमित्रघात (अमित्रकोटस)' कहा जाता था। संस्कृत में इस नाम का अर्थ है 'शत्रुओं का नाश करने वाला'।

गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल

160. माना जाता है कि दिल्ली के महरौली में लौह स्तंभ चंद्रगुप्त द्वितीय की उपलब्धियों को दर्ज करता है। चन्द्रगुप्त द्वितीय, जिन्हें विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है, गुप्त वंश के सबसे महान शासकों में से एक माने जाते हैं। चन्द्रगुप्त द्वितीय समुद्रगुप्त और दत्त देवी का पुत्र थे।

161. हर्षवर्धन ने गौड़ साम्राज्य के शशांक के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी। अपने भाई की मृत्यु के बाद, 16 वर्ष की आयु में, हर्षवर्द्धन थानेश्वर का निर्विवाद शासक बन गया और उसने अपने भाई का बदला लेने के लिए शशांक पर युद्ध की घोषणा की और दिग्विजय के अभियान पर निकल पड़ा, यानी दुनिया को जीतने के लिए।

162. स्कंदगुप्त द्वारा जारी पांच प्रकार के सोने के सिक्के धनुर्धर प्रकार, घुड़सवार प्रकार, राजा और रानी प्रकार, सिंह-वध प्रकार और छत्र प्रकार हैं। बैल का प्रकार उनके द्वारा जारी किया गया एक प्रकार का चांदी का सिक्का है। यह एक प्रकार का सोने का सिक्का नहीं है। इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि बैल प्रकार उसके द्वारा जारी किया गया सोने का सिक्का नहीं है।

163. अग्रहार ब्राह्मणों को दी जाने वाली भूमि, गाँव या खेत थे। संस्कृत में अग्रहार का अर्थ है "पट्टे के अधिकार से मुक्त भूमि", अग्रहारों को करों से छूट दी गई थी और उनके पास अन्य प्रशासनिक प्रतिरक्षा थी और उन्हें प्राचीन काल में अग्रहारम, चतुर्वेदीमंगलम, घटोका और बोया के रूप में भी जाना जाता था।

164. विक्रमादित्य VI, जिनके दरबारी कवि बिल्हण ने उनकी जीवनी लिखी, चालुक्य वंश के शासक थे। चालुक्य वंश की स्थापना 543 में पुलकेशिन प्रथम ने की थी। पुलकेशिन प्रथम ने वातापी (बगलकोट जिले, कर्नाटक में आधुनिक बादामी) को अपने नियंत्रण में लिया और इसे अपनी राजधानी बनाया था।

165. फाह्यान एक चीनी तीर्थयात्री था, जो चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल के दौरान भारत आया था। उनका प्राथमिक उद्देश्य बौद्ध धार्मिक स्थलों का दौरा करना और बौद्ध धार्मिक ग्रंथों की प्रतियां अपने साथ ले जाना था।

166. ह्वेनसांग, एक चीनी तीर्थयात्री, हर्षवर्द्धन के शासनकाल के दौरान भारत आया था। चीन वापस जाकर उन्होंने एक किताब 'शि-यू-की' (पश्चिम की दुनिया) लिखी थी। उन्होंने नालन्दा में अध्ययन किया और बाद में केवल नौ वर्षों तक वहीं पढ़ाया था।

167. तोंडईमंडलम के पल्लव दक्षिण भारत के राजवंश थे जिन्होंने अपने दस्तावेज़ पहले प्राकृत में और बाद में संस्कृत में जारी किए। पल्लवों ने प्रारंभ में अपने दस्तावेज़ जारी करने के लिए प्राचीन भारतीय भाषा प्राकृत का उपयोग किया था। समय के साथ, उन्होंने शिलालेखों और आधिकारिक दस्तावेजों की रचना के लिए एक शास्त्रीय भाषा, संस्कृत का उपयोग करना शुरू कर दिया था।

168. गुप्त साम्राज्य (320-550 ई.) को भारतीय कला और वास्तुकला का स्वर्ण युग माना जाता है। इस अवधि के दौरान, वास्तुकला सहित कला के सभी पहलुओं में रचनात्मकता और नवीनता का विकास हुआ था। गुप्त वास्तुकला की विशेषता जटिल नक्काशी, सुंदर अनुपात और सामंजस्यपूर्ण संतुलन का उपयोग है।

169. भारत में सामंती व्यवस्था के कई अलग-अलग परिणाम थे, जिनमें से कुछ कृषि योग्य भूमि के विस्तार से अधिक महत्वपूर्ण थे। बदले में, जागीरदार अपनी भूमि के बदले में राजा या सम्राट को सैन्य सेवा प्रदान करने के लिए बाध्य थे। भूमि अनुदान और सैन्य सेवा की इस व्यवस्था ने भारत में एक मजबूत केंद्रीय सरकार बनाने में मदद की थी। अंततः, सामंती व्यवस्था ने भारतीय संस्कृति को पूरे उपमहाद्वीप में फैलाने में मदद की। ऐसा इसलिए था क्योंकि जागीरदारों को अक्सर राजा या सम्राट की भाषा और रीति-रिवाजों को अपनाने की आवश्यकता होती थी। इससे अधिक एकीकृत भारतीय संस्कृति बनाने में मदद मिली। निष्कर्षतः, कृषि योग्य भूमि का विस्तार प्राचीन भारतीय सामंती व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम नहीं था।

170. महाबलीपुरम स्मारकों का निर्माण पल्लव राजवंश वास्तुकला में किया गया था। पल्लव राजाओं द्वारा स्थापित अभयारण्यों का यह समूह 7वीं और 8वीं शताब्दी में कोरोमंडल तट के किनारे चट्टान को काटकर बनाया गया था। यह विशेष रूप से अपने रथों (रथों के रूप में मंदिर), मंडपों (गुफा अभयारण्यों) के लिए जाना जाता है।

171. सुश्रुत इतिहास के पहले सर्जन हैं और उन्हें प्लास्टिक सर्जरी के जनक के रूप में भी जाना जाता है। प्लास्टिक सर्जरी पर पहली पुस्तक "सुश्रुत संहिता" उनके द्वारा लिखी गई थी। सुश्रुत गुप्त काल (320-550 ई.) के समकालीन थे।

172. रविकीर्ति ने चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय की प्रशस्ति की रचना की थी। प्रशस्ति एक अभिलेख है जो शासक की उपलब्धियों की प्रशंसा करता है। पुलकेशिन द्वितीय चालुक्य वंश का एक प्रमुख शासक था और उसका शासनकाल कर्नाटक के इतिहास में एक स्वर्ण युग माना जाता है।

173. समुद्रगुप्त गुप्त राजा चंद्रगुप्त प्रथम और रानी कुमारदेवी का पुत्र था, जो लिच्छवी परिवार से थे। उनके खंडित एरण पत्थर के शिलालेख में कहा गया है कि उनके पिता ने उनकी "भक्ति, धार्मिक आचरण और वीरता" के कारण उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में चुना था।

174. चंद्रगुप्त द्वितीय की बेटी, प्रभावती गुप्ता, दक्षिणी वाकाटक साम्राज्य की रानी थी। उन्होंने वाकाटक राजवंश के रुद्रसेन द्वितीय से विवाह किया और अपने पति की मृत्यु के बाद अपने बेटों दिवाकरसेन और दामोदरसेन के लिए संरक्षिका के रूप में कार्य किया था।

175. वराहमिहिर एक खगोलशास्त्री थे जिन्हें चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार के नौ रत्नों में से एक माना जाता था। उनकी पुस्तक 'बृहत्संहिता' खगोल विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक भूगोल और प्राकृतिक इतिहास का एक विश्वकोश है। उनकी अन्य रचनाएँ पंच सिद्धांतिका, बृहत् जातक आदि हैं।

176. समुद्रगुप्त गुप्त वंश का सबसे महान राजा था। समुद्रगुप्त के शासनकाल का सबसे विस्तृत और प्रामाणिक दस्तावेज़ प्रयाग प्रशस्ति/इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख में संरक्षित है, जो उनके दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित है। समुद्रगुप्त के सैन्य अभियान वीए स्मिथ द्वारा उसे भारत के नेपोलियन के रूप में वर्णित किए जाने को सही ठहराते हैं।

177. चंद्रगुप्त द्वितीय, जिसे आमतौर पर विक्रमादित्य के नाम से जाना जाता है, उत्तरी भारत का एक महान शासक था जिसने 380 ईस्वी से 415 ईस्वी तक शासन किया था। वह चंद्रगुप्त प्रथम का पोता और समुद्रगुप्त का पुत्र था। चंद्रगुप्त-द्वितीय की माँ रानी दत्त या दत्तदेवी थीं, जिन्हें महादेवी के रूप में वर्णित किया गया है।

178. प्रारंभिक भारतीय इतिहास में एक शक्तिशाली सम्राट प्रभावतीगुप्ता, चंद्रगुप्त द्वितीय और रानी कुबेरनागा की पुत्री थी। उनका विवाह रुद्रसेन द्वितीय से हुआ था और वे 20 वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहीं थी।

179. रविकीर्ति के ऐहोल शिलालेख में उत्तरी भारतीय साम्राज्य के शासक हर्षवर्धन पर पुलकेशिन द्वितीय की विजय का वर्णन है। पुलकेशिन द्वितीय ने 618 ई. में हर्ष को नर्मदा नदी के तट पर हराया, जब हर्ष ने भारत के दक्षिणी प्रायद्वीप की ओर अपने साम्राज्य का विस्तार करने का प्रयास किया था।

180. ह्वेनत्सांग ने हर्षवर्धन के शासनकाल के दौरान भारत का दौरा किया था। ह्वेनत्सांग एक चीनी बौद्ध यात्री था, जो चीन के प्रारंभिक तांग काल से संबंधित था। उसने नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययन किया। भारत में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने उत्तरी और दक्षिणी भारत के विभिन्न स्थानों का दौरा किया था।

181. प्रयाग प्रशस्ति हमें गुप्त वंश के सम्राट समुद्रगुप्त की उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करती है। इसकी रचना समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण ने की थी और कौशाम्बी से लाए गए अशोक स्तंभ पर उत्कीर्ण किया गया था।

182. एहोल शिलालेख रविकीर्ति द्वारा लिखा गया था जो पुलकेशी द्वितीय के शासनकाल के दौरान एक कवि थे। एहोल कर्नाटक में स्थित है और इसे व्यापक रूप से भारतीय वास्तुकला के उद्गम स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह चालुक्यों की राजधानी थी।

183. चंद्रगुप्त द्वितीय को विक्रमादित्य के नाम से जाना जाता है, जो उत्तरी भारत का एक शक्तिशाली सम्राट (380-415 ई.) था। वह समुद्रगुप्त का पुत्र था जिसने एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की थी। चंद्रगुप्त द्वितीय ने (388 से 409 ई. तक) गुजरात, उत्तरी बंबई, पश्चिमी भारत में सौराष्ट्र और मालवा को अपने अधीन कर लिया था।

184. राजस्व अधिकारियों के लिए 'राजुक' शब्द का प्रयोग किया जाता था। गुप्त वंश के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था लगभग मौर्य साम्राज्य के समान ही पाई गई थी। गुप्त शासन के समय प्राचीन भारत में राजनीतिक सौहार्द था।

185. गुप्तकालीन सोने और चाँदी के सिक्के प्रारंभ में कुषाण साम्राज्य और रोमन साम्राज्य के सिक्कों पर आधारित थे। कुषाण अपने शासकों और देवताओं की छवियों वाले सोने के सिक्कों के लिए जाने जाते थे, और गुप्तों ने इन डिजाइनों को अपने सिक्कों के लिए अपनाया। दूसरी ओर, रोमन सिक्के प्राचीन दुनिया में व्यापार और वाणिज्य में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते थे, और गुप्तों ने संभवतः अपने चांदी के सिक्कों के लिए उनके डिजाइन और शिलालेखों से प्रेरणा ली थी।

186. चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसार हर्षवर्द्धन बौद्ध धर्म का समर्थक था। हालाँकि यह सच है कि हर्ष बौद्ध धर्म का संरक्षक था और उसने बौद्ध मठों और संस्थानों का समर्थन किया था, लेकिन जरूरी नहीं कि वह ब्राह्मण धर्म, जिसे हिंदू धर्म के रूप में भी जाना जाता है, का पक्ष या समर्थन करता था।

187. गुप्तकालीन मंदिर-निर्माण गतिविधि चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों की पूर्व परंपरा के विकास का प्रतिनिधित्व करती है जो अब बिल्कुल नए स्तर पर पहुंच गई है। यह भारत में मंदिर निर्माण के प्रारंभिक चरण को चिह्नित करता है, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण चरण था जो मध्यकाल तक मंदिर निर्माण को प्रभावित करता रहा। इसका प्रमाण झाँसी जिले (उत्तर प्रदेश) के देवगढ़ स्थित दशावतार मंदिर से मिलता है।

188. पुलकेशिन द्वितीय बादामी के चालुक्य वंश का सबसे महान राजा था। वर्ष 609 ई. में उनका सिंहासन पर बैठना, दक्कन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण युग की शुरुआत का प्रतीक है। पुलकेशिन द्वितीय ने 625-626 ई. में फ़ारसी राजा खुसरो द्वितीय को एक मानार्थ दूतावास भेजा था।

189. ध्रुवदेवी चंद्रगुप्त द्वितीय के बड़े भाई रामगुप्त की विधवा थीं। रामगुप्त की मृत्यु के बाद, चंद्रगुप्त द्वितीय ने अपने राजनीतिक गठबंधन को मजबूत करने और सिंहासन पर अपने दावे को वैध बनाने के लिए ध्रुवदेवी से विवाह किया था। इस विवाह से चंद्रगुप्त द्वितीय को अपनी शक्ति मजबूत करने और अपने साम्राज्य का विस्तार करने में भी मदद मिली थी।

190. त्रिपक्षीय संघर्ष 8वीं-9वीं शताब्दी सीई में कान्यकुब्ज (कन्नौज) के नियंत्रण के लिए पालो, गुर्जर-प्रतिहारों और राष्ट्रकूटों के बीच एक प्रतियोगिता थी, राष्ट्रकूट परिवार में घरेलू विद्रोह के कारण प्रतिहारों ने अंततः कन्नौज की विजय के बाद उत्तर में सत्ता हासिल कर ली थी।

191. इलाहाबाद प्रशस्ति समुद्रगुप्त का एक स्तंभ शिलालेख है जो इलाहाबाद में पाया गया और संस्कृत में लिखा गया है। इसकी रचना हरिषेण ने की थी।

192. वराहमिहिर ने बृहत्संहिता लिखी जो खगोल विज्ञान, ज्योतिष, वनस्पति विज्ञान, प्राकृतिक इतिहास और भौतिक भूगोल से संबंधित है।उनकी पंचसिद्धांतिका पांच खगोलीय सिद्धांतों (सिद्धांत) पर प्रकाश डालती है, जिनमें से दो पूरी तरह से परिचित हैं और ग्रीक खगोलीय अभ्यास के साथ घनिष्ठ समानता रखते हैं।

193. कुमारगुप्त ने 5वीं शताब्दी ई. में नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। उन्हें शक्रादित्य भी कहा जाता था। नालन्दा एक विशाल मठ-शैक्षिक प्रतिष्ठान था। प्राथमिक शिक्षण लक्ष्य: महायान बौद्ध धर्म, फिर भी अन्य 'धर्मनिरपेक्ष' विषयों को भी शामिल करते है- जैसे, व्याकरण, तर्कशास्त्र, ज्ञानमीमांसा और विज्ञान

194. विंध्यशक्ति वाकाटक राजवंश के संस्थापक थे, जिन्होंने तीसरी से पांचवीं शताब्दी ईस्वी तक मध्य भारत में शासन किया था। उनके पुत्र प्रवरसेन प्रथम ने उनका उत्तराधिकारी बनाया, जिन्होंने राजवंश के क्षेत्र का विस्तार किया और वत्सगुलमा (महाराष्ट्र में आधुनिक वाशिम) में अपनी राजधानी स्थापित की थी।

195. पुलकेशिन द्वितीय ने 618-619 ई. की सर्दियों में हर्ष को नर्मदा के तट पर हराया। पुलकेशिन ने हर्ष के साथ एक संधि की, जिसमें नर्मदा नदी को चालुक्य साम्राज्य और हर्षवर्द्धन के बीच की सीमा के रूप में नामित किया गया था।

196. हर्षवर्द्धन पुष्यभूति वंश के थे। 606 ई. में हर्षवर्द्धन गद्दी पर बैठे। उन्होंने मगध पर विजय प्राप्त की और कन्नौज में अपनी राजधानी स्थापित की थी।

197. हर्षवर्द्धन ने दो धार्मिक सम्मेलनों का आयोजन किया: कन्नौज सभा, और प्रयाग सभा। हर्ष, जो अपने शुरुआती दिनों में स्वयं भगवान शिव के भक्त थे, अपने बाद के वर्षों में उनका झुकाव बौद्ध धर्म की ओर था। बौद्ध धर्म के एक संप्रदाय, महायान को स्वीकार करने के बाद वह इसके निर्विवाद समर्थक के रूप में खड़े हुए और बौद्ध धर्म के साथ-साथ अपने पहले धर्म को भी संरक्षण दिया था।

198. गुप्त काल में प्रथम-कुलिका शब्द का तात्पर्य एक संघ के प्रमुख कारीगर या शिल्पकार से है। ये संघ वस्तुओं के उत्पादन और वितरण को नियंत्रित करते थे और अपने सदस्यों के लिए उचित कामकाजी परिस्थितियाँ सुनिश्चित करते थे। इसलिए, सही विकल्प मुख्य शिल्पकार है।

199. मल्लिकार्जुन शिलाहार राजा था जिसे सोलंकी राजा कुमारपाल ने हराया था। कुमारपाल (1143-1172 ई.) गुजरात के चौलुक्य (सोलंकी) राजवंश के राजा थे। उनकी राजधानी अनाहिलापाटका (आधुनिक पाटन) थी। कुमारपाल कला और वास्तुकला के उत्सुक और उदार संरक्षक थे।

200. हर्षवर्द्धन पुष्यभूति राजवंश से थे जिसकी स्थापना 5वीं या 6ठी शताब्दी ईस्वी की शुरुआत में नरवर्धन ने की थी। यह राजवंश हर्षवर्द्धन के पिता प्रभाकरवर्धन के अधीन फला-फूला, जिन्होंने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी।

संगम काल

201. नेडियन का संबंध संगम राज्य चेरा से नहीं था। संगम काल (तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी तक) इतिहास का वह चरण है जो प्राचीन तमिलनाडु और केरल में विद्यमान था। उथियाँ जारल (या उथियाँ चेरालाथन) प्राचीन दक्षिण भारत में संगम काल का पहला दर्ज चेर शासक था। उनका उत्तराधिकारी उनका पुत्र, नेदुमचेरालाथन, या नेदुनजेरलअथन बना था।

202. सिलप्पदिकारम तमिल भाषा की एक साहित्यिक कृति है। तमिल लोगों द्वारा इसका बहुत सम्मान किया जाता है। इसे इलांगो आदिगल ने लिखा है। वह एक राजकुमार थे। महाकाव्य में हमें कण्णगी के बारे में पता चलता है, जिसने अपने पति को पांड्यन राजवंश के दरबार में न्याय की निष्फलता के लिए खो दिया, उसने क्रोध में अपने राज्य का बदला लिया।

203. पल्लव वह राजवंश है जो संगम युग के दौरान सत्ता में नहीं था। संगम युग के दौरान, तीन राजवंशों- चेर, चोल और पांड्य ने शासन किया। इन राज्यों के बारे में जानकारी का मुख्य स्रोत संगम काल के साहित्यिक संदर्भों से मिलता है।

204. संगम युग के पाँच महाकाव्य हैं: शिलप्पादिकारम, मणिमेकलई, सिवाकाचिंतामणि, कुण्डलकेसि, वलैयापति

205. तोलकाप्पियम को तोलकाप्पियार ने तमिल में लिखा था। यह तमिल व्याकरण पर एक रचना है। इससे उस समय के राजनीतिक एवं सामाजिक परिदृश्य

का भी पता चलता है। संगम साहित्य में तमिल भाषा का प्रयोग किया गया था।

206. राजा को अधिकारियों के एक बड़े निकाय द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी जो पाँच परिषदों में विभाजित थे। वे मंत्री (अमैचर), पुजारी (अंथानर), सैन्य कमांडर (सेनापति), दूत (थुथर) और जासूस (ओरार) थे। संगम युग के दौरान सैन्य प्रशासन भी कुशलतापूर्वक व्यवस्थित किया गया था।

207. राजेंद्र चोल तृतीय चोल वंश के अंतिम शासक थे। चोल राजवंश सभी दक्षिण भारतीय राजवंशों में सबसे महान था। चोल ने मालदीव और श्रीलंका जैसे समुद्री द्वीपों पर शासन किया, जो दर्शाता है कि उसके पास अत्यधिक कुशल और विशाल नौसैनिक शक्ति थी। विजयालय चोल को चोल वंश का संस्थापक माना जाता है।

208. छठी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी तक, संगम काल में प्राचीन तमिलनाडु, केरल और श्रीलंका के कुछ हिस्से (तब तमिलकम के नाम से जाना जाता था) शामिल थे। इसका नाम मदुरै स्थित कवियों और विद्वानों की प्रतिष्ठित संगम अकादमियों के नाम पर रखा गया था।

209. संगम सभाएँ मदुरै शहर में आयोजित की गईं। यह काल लगभग तीसरी शताब्दी ई.पू. के बीच का है। और दक्षिण भारत में तीसरी शताब्दी ई. (कृष्णा और तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) को संगम काल के रूप में जाना जाता है। इसका नाम उस काल के दौरान आयोजित संगम अकादमियों के नाम पर रखा गया है जो मदुरै के पांड्य राजाओं के शाही संरक्षण में फली-फूलीं।

210. दक्षिण भारत में तीन संगम (तमिल कवियों की सभा) आयोजित किये गये। दक्षिण भारत में लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और तीसरी शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधि (कृष्णा और तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) को संगम काल के रूप में जाना जाता है। इसका नाम उस काल के दौरान आयोजित संगम अकादमियों के नाम पर रखा गया है जो मदुरै के पांड्य राजाओं के शाही संरक्षण में फली-फूलीं।

testbook

To Buy

CLICK / TAP ON THE BOOK

books.testbook.com

RRB NTPC 2024
NOTIFICATION OUT !!
GRADUATE LEVEL
CBT 1 + CBT 2
Inclusive of weekly FREE LIVE TEST
VACANCIES 8110+
160+ Previous Year Papers
1100+ Tests Available
Available in English, Hindi, Marathi, Bengali, Gujrati, Tamil, Telugu, Kannad, Oriya Languages
View Test Series

RRB ALP 2024
CBT-1
CBT-2
Psycho
850+ Total test
60+ Previous Year Papers
Available in 7 Languages
REVISED VACANCIES 18000+
All India RRB ALP : LIVE Test - Every Saturday
New Additions - Physics Numerical Qs , NCERT General Science
View Test Series

RPF CONSTABLE 2024
बम्पर भर्ती 4200+
Complete Preparation
Highlight
Test Series available in 6 Languages
Practice extensive difficulty variations with
170+ Tests
7200+ Questions
View Test Series

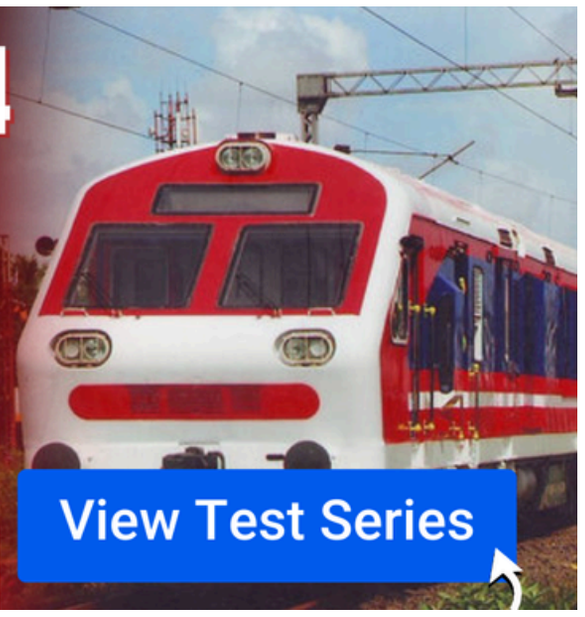

RRB GROUP D 2024
Complete Preparation
685+ Mock Tests
170+ Previous Year Papers
Available in Multiple Languages
TEST
Gain a competitive advantage with the NCERT General Science Questions
View Test Series

RRB JE 2024
CBT 1 + CBT 2
Complete Preparation
Tests are available in Six languages (CBT1)
Foundation Series
1490+ Tests Available
30+ Previous Year Papers
BUMPER VACANCIES 7900+
View Test Series

Inclusive of Weekly LIVE Test
RRB TECHNICIAN GRADE 3
Complete Preparation
Test Series according to the New Pattern
Month & Topic Wise Current Affairs
660+ Tests Available
50+ Previous Year Papers
Foundation Series !!
REVISED VACANCIES 14298
View Test Series